RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 52 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,गुरूवार, 20 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

सुप्रीम कोर्ट में सरकार बोली, नीट का सिस्टम फूलप्रूफ, तोड़ना मुश्किल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, टेक्नोलॉजी समझने वाले अफसर भर्ती करें, उन्हें बार-बार ट्रांसफर न करें

एजेंसी। नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि नीट परीक्षाओं में सुधारों को स्थायी व्यवस्था का हिस्सा बनाने की जरूरत है। कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को निर्देश दिया कि वह बताए कि राधाकृष्णन समिति और नंदन नीलेकणि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मामले में नया हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा, 'राधाकृष्णन समिति ने सही कहा है कि यह एक ऐसी व्यवस्था से जुड़ी समस्या है, जिसे संस्थागत बनाने की जरूरत है और यह इसका सबसे अहम हिस्सा है। कागज पर यह पूरी प्रक्रिया अच्छी लगती है। लेकिन फिर एक परीक्षा होने के बाद जब तक दूसरी परीक्षा होती है, तब तक तस्वीर पूरी तरह अलग हो जाती है।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, नीट सुधारों को कागजों तक सीमित न रखें, स्थायी व्यवस्था बनाएं

एनटीए से मांगा जवाब- राधाकृष्णन और नंदन नीलेकणि समिति की सिफारिशों पर अब तक क्या हुआ?

केंद्र ने कोर्ट को बताया, नीट पेपर की सुरक्षा में 10 स्तरों की व्यवस्था, जीपीएस से ट्रैक होती है गाड़ी

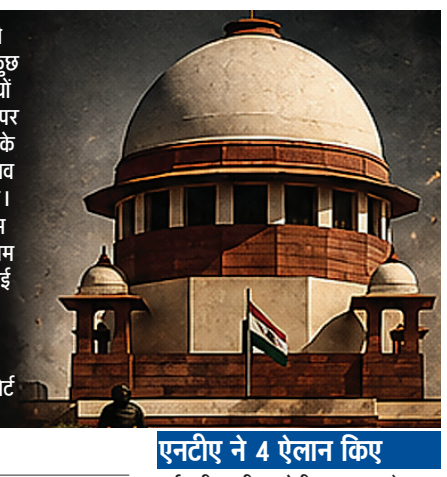

अगर पूरी व्यवस्था कुछ अधिकारियों के अनुभव पर निर्भर रहेगी, तो उनके बदलते ही वह अनुभव भी खत्म हो जाएगा। इसलिए पुरानी टीम का अनुभव और काम करने का तरीका नई टीम तक पहुंचना जरूरी है।
जस्टिस पीएस नरसिम्हा, सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने नीट सुधार को लेकर क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीट परीक्षा में सुधारों को केवल कागजों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्थायी व्यवस्था का हिस्सा बनाने की जरूरत है। पीठ ने राधाकृष्णन समिति की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि समिति ने सही तौर पर इसे एक व्यवस्था से जुड़ी समस्या माना है और इसे स्थायी रूप से लागू करना सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कागज पर प्रक्रिया अच्छी दिखाई देती है, लेकिन एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक स्थिति पूरी तरह बदल सकती है। सुनवाई की शुरुआत में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को नीट प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर छात्रों तक पहुंचने तक अपनाई जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के लिए मौजूद व्यवस्था बहुत मजबूत है और उसमें सेंध लगाना मुश्किल है।

केंद्र ने कहा, नीट पेपर की सुरक्षा के कई स्तर, 10 दलीलें दीं

- **प्रश्नबैंक:** कई मॉडरेटर (सब्जेक्ट एक्सपर्ट) प्रश्न बैंक बनाते हैं। फिर 100-100 सवाल चुनकर 4 अलग पेपर तैयार होते हैं। इनमें से 2 पेपर एनटीए महानिदेशक चुनते हैं। किसी को पहले से पता नहीं होता कि अंतिम पेपर कौन-सा होगा।
- **भाषाओं में प्रश्न बैंक:** 500 सवालों का प्रश्न बैंक 13 भाषाओं में तैयार होता है। ट्रांसलेशन एक्सपर्ट करते हैं।
- **प्रिंटिंग प्रेस में छपते हैं पेपर:** पेपर सीलबंद कवर में दो तय प्रिंटिंग प्रेस भेजे जाते हैं। वहां सीसीटीवी और सीआईएसएफ की निगरानी रहती है। प्रिंटर को भी पता नहीं होता कि पेपर किस परीक्षा का है।
- **बॉक्स डिजिटल चाबी और कोड से खुलता है:** पेपर ले जाने वाले व्यक्ति के पास डिजिटल चाबी होती है, लेकिन बॉक्स खोलने का कोड उसके पास नहीं होता। यह कोड एनटीए महानिदेशक की अनुमति से दिया जाता है।
- **पेपर लोहे के बक्से में रखते हैं:** पेपर ऐसे लोहे के बॉक्स में रखे जाते हैं, जिसे बंद करने के बाद बिना लॉक तोड़े खोला नहीं जा सकता।
- **हर पैकेट में अलग क्रम वाले पेपर:** 24 पेपर के पैकेट में सवालों का क्रम अलग-अलग होता है। पैकेट पर वॉटरमार्क नंबर, शहर, केंद्र और पैकेट नंबर दर्ज होता है।
- **पेपर स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं:** पेपर के दो सेट अलग-अलग बैंकों के स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है और संबंधित अधिकारी हस्ताक्षर करते हैं।
- **जीपीएस से ट्रैक होती है गाड़ी:** बैंक से परीक्षा केंद्र तक पेपर ले जाने वाली गाड़ी में जीपीएस लगा होता है। उसकी छोटी से छोटी गतिविधि रिकॉर्ड होती है। पुलिस सुरक्षा में पेपर केंद्र तक पहुंचते हैं।
- **परीक्षा से पहले बॉक्स खोला जाता है:** परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले 2 छात्रों की मौजूदगी में बॉक्स खोला जाता है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है।
- **24 छात्रों के लिए अलग पैकेट:** हर कक्षा के 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट होता है। कक्षा समन्वयक यह पैकेट छात्रों को देते हैं और छात्र खुद इसे खोलते हैं।

नीट पेपर लीक में 13 गिरफ्तार, 21 जून को री-टेस्ट हुआ

नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 सेंटर्स में हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया। 21 जून को नीट की परीक्षा दोबारा हुई थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एनटीए ने 4 ऐलान किए

नई परीक्षा टीम बनेगी: सरकार ने एनटीए में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। परीक्षा टीम को नए सिरे से बनाया जाएगा और 600 एक्सपर्ट हटाए गए हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइकोमेट्रिक्स और पेपर सेटिंग के निजी विशेषज्ञ जोड़े जाएंगे। 3 हफ्ते में 20-25 अधिकारी नियुक्त होंगे।
परीक्षा प्रोटोकॉल में बदलाव होंगे: परीक्षा प्रोटोकॉल भी बदले जाएंगे। सुरक्षित कमरे, बाहरी नेटवर्क से अलग सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कराने की व्यवस्था सख्त होगी। एनटीए की प्रक्रियाओं का ऑडिट भी कराया जाएगा।
ऑफिस नए कैंपस में शिफ्ट होंगे: एनटीए के कार्यालयों को नए परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी। दिल्ली में एनटीए का ऑफिस ओखला से मिंटो रोड ले जाने की तैयारी है।
शिक्षा मंत्री जोशी ने बैठक ली: शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक में परीक्षा के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा मजबूत करने के निर्देश दिए। जांच के लिए 4-स्तरीय सिस्टम लागू होगा।

दिल्ली से पाकिस्तानी नागरिक अरेस्ट

नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत में घुसा, रेस्टोरेंट में कर रहा था काम

एजेंसी। नई दिल्ली

पुरानी दिल्ली इलाके से एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया है। उसे 15 अगस्त को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया। यह व्यक्ति अवैध तरीके से भारत की राजधानी दिल्ली में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी नेपाल के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। वह दिल्ली में आने के बाद एक रेस्टोरेंट में काम कर रहा था। उसकी मां दिल्ली की मूल निवासी थी। मां ने एक पाकिस्तानी मूल के शख्स से शादी की थी। इसके बाद उसने पाकिस्तान की नागरिकता ले ली थी। क्राइम ब्रांच और केंद्रीय एजेंसियों ने आरोपी से लंबी पूछताछ की। हालांकि, पूछताछ के दौरान कोई भी आतंकी एंगल सामने नहीं आया। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के हवाले कर दिया है। अब उसे पाकिस्तान डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नेपाल से भारत में अवैध घुसपैठ

यह पाकिस्तानी नागरिक पुरानी दिल्ली के भीड़-भाड़ वाले इलाके में छिपा हुआ था। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के दिन उसे पकड़ा जाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी सफलता है। आरोपी ने नेपाल की सीमा का उपयोग कर भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया था। दिल्ली पहुंचने के बाद उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए एक रेस्टोरेंट में काम करना शुरू कर दिया था। उसकी मां के दिल्ली से जुड़े होने के कारण उसकी पृष्ठभूमि की जांच भी महत्वपूर्ण थी।

घर में टैंक की खुदाई के दौरान मिले 29 तोप के गोले, निष्क्रिय करने के लिए जमीन में दबाए जाने का अनुमान

अमेठी

अमेठी जिले के मुसाफिरखाना के भनौली गांव में मंगलवार को घर निर्माण के लिए टैंक की खुदाई के दौरान मिले 29 धातु के गोलों की बुधवार को पुरातत्व विभाग की टीम ने जांच की। सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने प्रथमदृष्टया इन्हें तोप के गोले बताया है। उन्होंने इनके करीब 70 से 80 वर्ष पुराने होने की संभावना जताई। पुरातत्व विभाग की जांच के बाद अब इन गोलों को लेकर पहले से बनी आशंकाओं को दिशा मिली है। हालांकि इनके इतिहास और जमीन में दबाए जाने की वजह का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार ने मौके पर पहुंचकर गोलों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि गोलों की परिधि करीब 60 सेंटीमीटर और ऊंचाई लगभग 20 सेंटीमीटर है। इनके ऊपरी हिस्से में फ्यूज होल और हरे रंग की प्लेटिंग दिखाई दे रही है। इन विशेषताओं के आधार पर इन्हें प्रथमदृष्टया तोप के गोले माना गया है। उन्होंने बताया कि इनकी उम्र करीब 70 से 80 वर्ष होने की संभावना है। डॉ. मनोज कुमार ने आशंका जताई कि इन गोलों को निष्क्रिय करने के उद्देश्य से किसी स्थान से लाकर जमीन में दबाया गया होगा। हालांकि इन्हें किस स्थान से लाया गया और किस समय जमीन में दबाया गया था, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। विस्तृत जांच में इनके निर्माण, उपयोग और पुराने स्थान के संबंध में जानकारी जुटाई जाएगी। मंगलवार को गोलों की बरामदगी के बाद पुलिस और तहसील प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें कब्जे में लिया था। घटनास्थल को सीज कर सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। बुधवार को पुरातत्व विभाग की टीम के निरीक्षण के दौरान भी अधिकारी मौजूद रहे। मौके पर एसडीएम नितेश राज, सीओ अतुल सिंह, थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अब विस्तृत जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि ये गोले किस दौर के हैं और इन्हें यहां क्यों दबाया गया था।

चंपत राय को क्लीन चिट क्यों दी? जांच सही नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा: संजय सिंह

- सुप्रीम कोर्ट की ओर से एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने की बात सामने आ रही है

लखनऊ

आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जमीन प्रकरण में चंपत राय और अनिल मिश्रा को एसआईटी की ओर से कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने की खबरों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर सुप्रीम कोर्ट की ओर से एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगे जाने की बात सामने आ रही है, वहीं दूसरी ओर आरोपियों को क्लीन चिट दिए जाने की खबरें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने दोनों के बीच कथित अंतर्विरोध को स्पष्ट करने की मांग की। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष किरन यस को पत्र लिखकर जमीन प्रकरण से जुड़े 26 दस्तावेज सौंपने के लिए 20 से 23 अगस्त के बीच समय मांगा है। उनका दावा है कि इनमें 13 पुराने और 13 नए दस्तावेज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये दस्तावेज जांच को वास्तविक निष्कर्ष तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

24 करोड़ की जमीन खरीदे जाने का आरोप लगाया

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चंपत राय के हस्ताक्षर वाले दस्तावेजों में जमीन की खरीद को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आती हैं। उनका दावा है कि दो करोड़ रुपये की जमीन पांच मिनट के भीतर साढ़े 18 करोड़ रुपये में खरीदी गई। उन्होंने नौ करोड़ की जमीन 55 करोड़ और 1.73 करोड़ रुपये की जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदे जाने का भी आरोप लगाया। संजय सिंह ने कहा कि यदि मामला अभी जांच के स्तर पर है और सुप्रीम कोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट मांगी है तो कथित तौर पर क्लीन चिट दिए जाने की खबरों की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपियों को बचाना राम भक्तों के साथ विश्वासघात है।

सुबूत लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने की चेतावनी

आप सांसद ने कहा कि वह जांच में सहयोग करना चाहते हैं और इसी वजह से एसआईटी को सभी दस्तावेज सौंपने के लिए समय मांग रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच नहीं हुई तो वह सभी सुबूत लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वह लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले से जुड़े तथ्य जनता के सामने रखेंगे और एसआईटी से पूर्व में सौंपे गए दस्तावेजों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी मांगेंगे।

आजम खां पर कसा शिकंजा: जौहर यूनिवर्सिटी पर ईडी का छापा, ट्रस्ट से जुड़े दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच

रामपुर

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां से जुड़ी मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया। ईडी की टीम ने सुबह जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी परिसर में पहुंची ईडी की टीम ने दस्तावेजों के साथ ही डिजिटल रिकॉर्ड भी खंगाले। कार्रवाई सुबह करीब सात बजे शुरू हुई, जो देर तक जारी रही। टीम ने यूनिवर्सिटी और मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। ईडी की कार्रवाई धनशोधन से जुड़े मामले की जांच के तहत बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों ईडी ने आजम खां के खिलाफ दर्ज मुकदमों का रिकॉर्ड पुलिस से मांगा था। आजम खां के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने और सरकारी जमीन पर कब्जे समेत कई आरोपों को लेकर शिकायतें पहले से दर्ज हैं।

बिना बीमा पेट्रोल नहीं: सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को सख्त आदेश, दिल्ली से शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

एजेंसी। नई दिल्ली

बिना वैध बीमा के वाहन चलाने वालों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह ऐसे पायलट प्रोजेक्ट को लागू करे, जिसमें वैध बीमा नहीं होने पर पेट्रोल पंपों से वाहन को ईंधन ही न मिले। कोर्ट ने कहा कि इसकी शुरुआत दिल्ली से की जा सकती है। बुधवार को यह मामला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ के सामने आया। केंद्र की ओर से पेश वकील ने चार अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को इस व्यवस्था को लेकर कुछ चिंताएं हैं। इस पर पीठ ने साफ कहा, 'आपको इसे लागू करना होगा।' कोर्ट ने कहा कि पायलट प्रोजेक्ट दिल्ली से शुरू किया जा सकता है। केंद्र के वकील ने बताया कि इसके लिए तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पंप डीलरों के साथ बैठक करनी होगी। इस पर कोर्ट ने कहा, 'आप पायलट प्रोजेक्ट शुरू करें।' सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से एक ठोस प्रस्ताव पेश करने को भी कहा है। इसमें चार अगस्त के फैसले में दिए गए निर्देशों को लागू करने की समयसीमा बतानी होगी। मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को होगी।

बिना बीमा वाहनों की पहचान में मिलेगी मदद

सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था के दो बड़े फायदे बताए थे। पहला, इससे बिना बीमा या बिना पंजीकरण वाले वाहनों की पहचान करने में मदद मिलेगी। दूसरा, वाहन मालिकों पर वैध बीमा कराने का दबाव बनेगा। शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस तरह के प्रोजेक्ट से मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146 के प्रावधानों का जमीन पर पालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके लिए एएनपीआर यानी ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

टोल प्लाजा पर भी ऑटोमैटिक व्यवस्था के निर्देश

चार अगस्त के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का भी संज्ञान लिया था। कोर्ट ने टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों के असर पर भी ध्यान दिया था। कोर्ट ने कुछ कॉरिडोर पर पायलट प्रोजेक्ट लागू करने का निर्देश दिया था। इसमें टोल प्लाजा पर वाहनों को रोकने के बजाय टोल प्वाइंट से गुजरने वाले वाहनों की ऑटोमैटिक पहचान की व्यवस्था करने की बात कही गई थी।

चार अगस्त के फैसले में क्या कहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने चार अगस्त को दिए अपने फैसले में बिना तीसरे पक्ष के बीमा के सड़कों पर चल रहे बड़ी संख्या में वाहनों पर गंभीर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि एक पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया जाए। इसमें वाहनों को मिलने वाले ईंधन को उनके वैध बीमा की स्थिति से जोड़ा जाए। यानी अगर किसी वाहन का वैध बीमा नहीं है, तो पेट्रोल पंप पर उसे ईंधन न दिया जाए। वाहन मालिक को पहले वैध बीमा कराना होगा। इसके बाद ही उसे ईंधन मिल सकेगा।

संगमनगरी में उफनाई आफत: स्कूल, अस्पताल, दफ्तर, थाने और कोर्ट सब जगह पानी-पानी

एजेंसी। प्रयागराज

यह है देश की प्रमुख पर्यटन नगरी...। यहां हर वर्ष लाखों लोग पवित्र नदियों के संगम में डुबकी लगाने आते हैं। शहर घूमते हैं और यहां की प्रतिष्ठा पूरे देश में पहुंचाते हैं। यहां गंगा और यमुना जैसी दो विशाल नदियां उफान के बाद भी खामोशी से बहती रहती हैं, लेकिन विडंबना देखिए... शहर के नाले-नालियां दो दिन की बारिश नहीं झेल पाते। जिस शहर में विकास के नाम पर हजारों करोड़ रुपये स्वाहा हो गए, वहां के लोगों का जीवन इन दिनों नर्क जैसा है। नाले-नालियों और सीबर का पानी उफनाकर इनके घरों में भर गया है। गृहस्थी खराब होने से महिलाओं के आंसू थम नहीं रहे हैं। सांप-बिच्छू-कनखजूर आंखों के सामने उतरा रहे हैं। करंट फैलने के डर से बिजली काट दी गई है। डर के मारे बच्चों में चीख-पुकार मची है। भूख-प्यास लगने के बाद भी खत्म जैसी हो गई है। लाचारी ये है कि आंगन में भरा पानी बाहर सड़क पर फेंक नहीं सकते, क्योंकि पूरे इलाके की सड़कों और गलियों में पहले से ही चार-पांच फीट पानी भरा है। यह दर्द सिर्फ कुछ मोहल्लों तक सीमित नहीं है। स्कूल, अस्पताल, दफ्तर, थाने, कोर्ट-कचहरी, बाजार हर जगह तो पानी भरा है। स्कूल बंद हो गए हैं। अस्पतालों में मरीजों का पहुंचना कठिन हो गया है। बाजार जब तब खुल रहे हैं। सड़कों पर ऑटो, ई-रिक्शा मिलना मुश्किल हो गया है। ऐसा लगता है जैसे प्रयागराज में आफत उफना पड़ी है। गंभीर सवाल ये है कि इन दिनों जो लोग प्रयागराज घूमने आए हैं, वे यहां के विकास की भला कैसी तस्वीर लेकर जा रहे होंगे।

निरंजन डॉट पुल और जॉर्जटाउन में बिगड़े हालात

निरंजन डॉट पुल, सीएमपी डिग्री कॉलेज डॉट पुल, जाफरी कॉलोनी और जॉर्जटाउन के हालात बेहद खराब हैं। यहां पर कमर के ऊपर तक पानी भर गया है। जॉर्जटाउन में संगम टंकी, सीएमपी डिग्री कॉलेज से लेकर जॉर्जटाउन थाना, सपा कार्यालय के पास व अन्य मार्गों पर जलभराव से आवागमन प्रभावित है। इन इलाकों में दिनभर पानी भरा रहा।

अनाज खराब, बच्चों की किताबें भीगीं

आनंदपुरम में सौ से ज्यादा घरों में घुटने तक पानी भरा है। लोगों की गृहस्थी उतरा रही है। यहां के निवासी राजेंद्र पाठक के चेहरे पर मायूसी साफ झलक रही है। बोले किराये का घर है। गांव से आया अनाज खराब हो गया है। बच्चों की कॉपी-किताबें भी भीग गई हैं। नाते-रिश्तेदारों के यहां ठिकाना खोजना पड़ रहा है।

निवाला छिना, पन्नी के नीचे छतों पर कट रही रात

करेली की जेके आशियाना कॉलोनी, गड्ढा कॉलोनी समेत आसपास के इलाकों में कई घरों में कमर तक पानी भर गया है। लोगों को छतों पर पन्नी लगाकर रात बितानी पड़ रही है। स्थानीय निवासी नसरीन बेगम ने बताया कि चार-पांच दिन से कई घरों में खाना तक नहीं बन पाया है। बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। परिवार के लोग दिन-रात घरों से पानी निकालने में जुटे हैं। अनाज, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य घरेलू सामान पानी में डूबकर खराब हो गए हैं। कीचड़, गंदे पानी, बदबू से लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। गुड्डी ने बताया कि पानी कम होने पर हम सभी महिलाएं मिलकर घर से पानी निकालते हैं। बारिश होते ही फिर पानी भर जाता है।

सताने लगा बाढ़ का डर

गंगा और यमुना में लगातार बढ़ते जलस्तर ने संगम नगरी में एक बार फिर बाढ़ की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को सुबह आठ से रात आठ बजे तक नैनी में यमुना का जलस्तर 79.09 से बढ़कर 79.35 मीटर पहुंच गया। फाफामऊ में गंगा 79.95 से बढ़कर 80.11 मीटर और छतनाग में 78.74 से बढ़कर 78.92 मीटर हो गई। नदियों का पानी बढ़ने के साथ गंगा-यमुना किनारे के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की बेचैनी बढ़ने लगी है। घाटों की सीढ़ियां डूबने, तटवर्ती रास्तों पर पानी पहुंचने और निचले इलाकों में आवागमन प्रभावित होने का खतरा मंडराने लगा है। गंगा में जलस्तर बढ़ने के कारण सोमवार रात 2:30 बजे स्लूज गेट बंद कर दिया गया। इससे पानी की निकासी बाधित हो गई। सिविल लाइंस सहित ऊंचाई वाले कई मोहल्लों का पानी कम क्षमता वाले डांडिया नाला अल्लापुर में आ रहा है।

बीगोद नगर पालिका के वार्ड परिसीमन को हाईकोर्ट में चुनौती पुन: परिसीमन की मांग

वार्डों की जनसंख्या, मतदाता आंकड़ों और मकानवार रिकॉर्ड में असमानता का दावा; आपत्तियों पर प्रभावी विचार नहीं किए जाने का भी आरोप...

स्मार्ट हलचल

बीगोद,। बीगोद नगर पालिका के वार्डों के पुनर्गठन एवं परिसीमन को राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर में सिविल रिट याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई है। याचिका में 1 सितंबर 2025 को जारी वार्ड गठन संबंधी अधिसूचना को चुनौती देते हुए राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 9 एवं 10 तथा संबंधित निर्वाचन नियमों के अनुरूप नए सिरे से परिसीमन कराने की मांग की गई है। याचिका में बीगोद नगर पालिका के 25 वार्डों के गठन को लेकर जनसंख्या एवं मतदाता संख्या में कथित असमानता का मुद्दा उठाया गया है। इसमें बताया गया है कि कुछ वार्डों में लगभग 200 से 300 मतदाता/जनसंख्या दर्शाई गई है, जबकि कई अन्य वार्डों में यह संख्या लगभग 700 से 950 तक बताई गई है। याचिका में कहा गया है कि वार्डों में बिल्कुल समान जनसंख्या होना आवश्यक नहीं है, लेकिन इतनी बड़ी असमानता के लिए स्पष्ट एवं तार्किक आधार होना जरूरी है।

मतदाता आंकड़ों में अंतर का दावा

याचिका में उपलब्ध पूर्व मतदाता आंकड़ों और वार्डवार ड्राफ्ट सामग्री के आंकड़ों में भी अंतर होने का दावा किया गया है। इसके अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 18,453 बताई गई थी, जबकि वार्डवार ड्राफ्ट सामग्री में करीब 13,585 मतदाता दर्शाए गए। इस तरह

करीब 4,868 मतदाताओं का अंतर बताया गया है। याचिका में इन आंकड़ों के सत्यापन और भौतिक जांच की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

मकानवार रिकॉर्ड में विसंगतियों का आरोप

वार्ड परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका में कई मकान नंबरों एवं वार्डवार रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों का भी उल्लेख किया गया है। याचिका के अनुसार कुछ मकान नंबर अलग-अलग वार्डों में दर्ज होने, कुछ मकान नंबरों की प्रविष्टियां रिकॉर्ड में नहीं मिलने तथा एक ही परिवार के सदस्यों को अलग-अलग वार्डों में रखे जाने जैसी स्थिति सामने आई है। याचिका में वार्ड 8 में मकान नंबर 816 को वार्ड 9 में दर्शाने, वार्ड 10 के मकान नंबर 1006 को वार्ड 11 में दर्ज करने तथा मकान नंबर 1219 में रहने वाले एक परिवार के सदस्यों को अलग-अलग वार्डों में विभाजित किए जाने सहित कई उदाहरण दिए गए हैं। वार्ड 12 और वार्ड 22 के रिकॉर्ड को लेकर भी कथित विसंगतियों का उल्लेख किया गया है।

भौगोलिक रूप से कॉम्पैक्ट वार्ड नहीं होने का मुद्दा

याचिका में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम की धारा 10(3)(डु) का हवाला देते हुए कहा गया है कि जहां तक व्यावहारिक हो, वार्ड भौगोलिक रूप से कॉम्पैक्ट होने चाहिए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि मकानों की कथित गलत मैपिंग, परिवारों को अलग-अलग वार्डों में रखने और भौगोलिक रूप से असंगत क्षेत्रों को एक वार्ड में शामिल करने से वार्डों की भौगोलिक निरंतरता पर सवाल उठता है।

आपत्तियों पर प्रभावी विचार नहीं होने का आरोप

याचिका में बताया गया है कि 28 अप्रैल 2025 को वार्ड गठन का ड्राफ्ट प्रकाशित कर आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं तथा 29 अप्रैल से 5 मई 2025 तक आपत्तियां प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया था। याचिका के अनुसार वार्डवार आंकड़ों, जनसंख्या में अंतर, मकानों की मैपिंग और भौगोलिक स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर आपत्तियां प्रस्तुत की गईं, लेकिन उन पर प्रभावी एवं कारणयुक्त विचार नहीं किया गया। याचिका में यह भी बताया गया है कि वार्ड गठन को लेकर 10 अप्रैल 2026 को प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष पुनर्विचार के लिए प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद प्रभावी सुधारात्मक कार्रवाई नहीं होने का दावा किया गया है।

राजनीतिक प्रभाव की आशंका का भी उल्लेख

याचिका के आधारों में वार्ड गठन को लेकर कथित राजनीतिक दबाव की आशंका का भी उल्लेख किया गया है। इसमें निष्पक्ष एवं तटस्थ तरीके से परिसीमन की प्रक्रिया की समीक्षा करने की मांग की गई है। हालांकि राजनीतिक दबाव से संबंधित आरोप याचिका में लगाए गए हैं और इनका अंतिम निर्धारण न्यायालय द्वारा रिकॉर्ड एवं सुनवाई के आधार पर किया जाना है।

हाईकोर्ट से नए सिरे से परिसीमन की मांग

याचिका में हाईकोर्ट से 1 सितंबर 2025 की वार्ड गठन संबंधी अधिसूचना को निरस्त करने तथा राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 9 एवं 10 और राजस्थान नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 के अनुरूप नए सिरे से वार्ड परिसीमन कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही जनसंख्या एवं मतदाता आंकड़ों के पुन: सत्यापन, मकानवार रिकॉर्ड की जांच, वार्डों की भौगोलिक सीमाओं के पुन: परीक्षण, भौगोलिक रूप से कॉम्पैक्ट वार्डों के गठन तथा प्रभावित लोगों की आपत्तियों पर नियमानुसार विचार करने की मांग की गई है।

नगरपालिका चुनाव की तैयारियों के बीच मामला महत्वपूर्ण

बीगोद नगर पालिका के वार्ड परिसीमन को लेकर हाईकोर्ट में दायर यह याचिका आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के बीच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। याचिका में उठाए गए सवालों का संबंध वार्डों की सीमाओं, मतदाता एवं जनसंख्या आंकड़ों तथा परिसीमन की प्रक्रिया से है। अब इस मामले में हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत रिकॉर्ड और सुनवाई के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। मामले में लगाए गए आरोप और आपत्तियां याचिका में किए गए दावों पर आधारित हैं। इन पर अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा किया जाना है।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन के विरोध में सवर्ण समाज का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट पर गरजे युवा,दिल्ली कुच का ऐलान

राठौड़ बोले–'मांग पूरी होने तक जंतर-मंतर पर डटे रहेंगे'

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। यूजीसी के इक्विटी रेगुलेशन-2026 के विरोध में भीलवाड़ा में सवर्ण समाज संघर्ष समिति ने मोर्चा खोल दिया। समिति के बैनर तले पदाधिकारियों और युवाओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर नियमों के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए नियमों को सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर संशोधित करने की मांग की गई। समिति अध्यक्ष विश्वबंधू सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि नए नियम न्याय और समानता के नाम पर सामान्य एवं अन्य वर्गों के छात्रों और शिक्षकों में असुरक्षा का माहौल पैदा कर सकते हैं। उन्होंने नियमों की भाषा और प्रावधानों को अस्पष्ट बताते हुए कहा कि इनके संभावित दुरुपयोग से निर्दोष छात्रों एवं प्राध्यापकों के खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। समिति का कहना है कि झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान नहीं होने से व्यवस्था के दुरुपयोग की आशंका बनी रहेगी। साथ ही, शिक्षण संस्थानों में कठोर प्रावधान लागू होने से छात्रों के बीच आपसी भाईचारा प्रभावित होने और जातीय तनाव बढ़ने की आशंका जताई गई। राठौड़ ने कहा कि इक्विटी कमेटियों और जांच प्रक्रिया में दोनों पक्षों को निष्पक्ष सुनवाई की ठोस गारंटी मिलनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियम वापस नहीं लिए गए या सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधन नहीं किया गया तो सवर्ण समाज बड़े स्तर पर लोकतांत्रिक आंदोलन करेगा। समिति ने आने वाले दिनों में दिल्ली जाकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की भी घोषणा की।

डॉ. आंबेडकर संघर्ष समिति ने नव नियुक्त एसडीएम धमेंद्र वर्मा का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल

सुरज वर्मा सावर में डॉ. भीमराव आंबेडकर संघर्ष समिति सावर के अध्यक्ष घनश्याम पवार के नेतृत्व में बुधवार, 19 अगस्त को नव नियुक्त उपखंड अधिकारी धमेंद्र वर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एसडीएम वर्मा का साफा पहनाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर समिति पदाधिकारियों ने नव नियुक्त उपखंड अधिकारी को सावर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों से भी अवगत कराया। समिति सदस्यों ने उम्मीद जताई कि उपखंड अधिकारी धमेंद्र वर्मा के कार्यकाल में क्षेत्र के विकास एवं आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता मिलेगी। कार्यक्रम में समिति संरक्षक सूरजकरण मालावत, पोखर राम कांसोटिया, पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश कांसोटिया, सत्यनारायण कोली, कालूराम रेगर, विनोद पवार, उम्मेद सिंह दीदावत, छोटूलाल पवार, श्रीनिवास रेगर, एडवोकेट महेंद्र सिंह मीणा, दोलत कुमावत, नाथूलाल बलाई, लोकेन्द्र कहार, पूर्व सरपंच दुर्गालाल रेगर, दुर्गालाल वर्मा, रामलाल मीणा, चिरंजी लाल शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।समिति पदाधिकारियों ने एसडीओ धमेंद्र वर्मा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के विकास में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

रसीद काटकर 4 साल से लटका दिया पट्टा

ग्राम पंचायत गुरला की लापरवाही से परेशान चंदा देवी, 120 रु. जमा करवाने के बाद भी नहीं मिली राहत

'प्रशासन गांवों के संग' के दावे फेल,महिला चंदा देवी सुवालका दर-दर भटकने को मजबूर

स्मार्ट हलचल

गुरलाः- सरकार के 'प्रशासन गांवों के संग' के दावों की पोल ग्राम पंचायत गुरला में खुली। यहां पट्टे के नाम पर शुल्क लेकर रसीद तो दे दी गई, लेकिन 4 साल बीत जाने के बाद भी पीड़ित महिला को पट्टा नसीब नहीं हुआ। पंचायत समिति सुवाणा के ग्राम पंचायत गुरला की केलाशपुरी निवासी चंदा देवी पत्नी सुवालका पति प्रभु लाल सुवालका ने 17 अक्टूबर 2022 को रसीद संख्या 87 के माध्यम से पट्टे के लिए 120 रुपये जमा करवाए थे। रसीद में आवेदन शुल्क, नक्शा शुल्क, नजरी नक्शा और पट्टा शुल्क का स्पष्ट उल्लेख है। रसीद पर पंचायत सचिव के हस्ताक्षर भी हैं।चंदा देवी का कहना है कि 'रसीद कटवाने के बाद से आज तक 4 साल हो गए।ऊगमा लाल सुवालका ने बताया की इस दौरान दर्जनों बार पंचायत के चक्कर काट चुका हूं। हर बार नई तारीख दे देते हैं। न पट्टा बना कर देते अब तो उम्मीद भी टूटने लगी है। 'ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पट्टों के नाम पर आमजन से पैसे तो ले लिए जाते हैं, लेकिन फाइलें महीनों-वर्षों तक धूल फांकती रहती हैं। राजस्थान पंचायत नियम, 1996 के नियम 158 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के पात्र सदस्यों को रियायती दर पर पट्टा जारी करने का स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद ग्राम पंचायत के प्रशासक द्वारा पात्र व्यक्तियों को पट्टे जारी नहीं किए जा रहे हैं। यह नियमों की अवहेलना होने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों के वैधानिक अधिकारों का भी हनन है। ग्रामीणों और पीड़ित ने जिला कलेक्टर भीलवाड़ा, BDO सुवाणा और पंचायती राज विभाग से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए और पीड़ित महिला को तत्काल पट्टा जारी किया जाए

एरिया डोमिनेशन अभियान में बिजयनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

2.57 ग्राम स्मैक बरामद, एनडीपीएस आरोपी सहित चार गिरफ्तार; शांति भंग में 9 गैरसायल पकड़े

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार/ब्यावर।बिजयनगर। एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बिजयनगर थाना पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2.57 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। पुलिस ने एक स्थायी गिरफ्तारी वारंटी और दो अन्य प्रकरणों में वांछित आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। वहीं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 9 गैरसायलों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उजैनिया आरपीएस तथा वृताधिकारी मसूदा शिवराज सिंह आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी राजवीर सिंह पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। एनडीपीएस प्रकरण संख्या 340/2026 में रिजवान कुरेशी पुत्र इरफान कुरेशी (39) निवासी जामा मस्जिद के पीछे, राजनगर, बिजयनगर को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 2.57 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पुलिस ने स्थायी गिरफ्तारी वारंटी पारा देवी पत्नी ज्ञानचंद (40) निवासी शिखरानी को भी गिरफ्तार किया। इसके साथ ही प्रकरण संख्या 311/2026 में वांछित हरशिंकर पुत्र नारायण (18) निवासी बड़ा आसन, बिजयनगर तथा प्रकरण संख्या 273/2026 में वांछित नवीन वैष्णव पुत्र उमराव वैष्णव (32) निवासी कुबेर कॉलोनी, बिजयनगर को गिरफ्तार किया गया।

9 गैरसायल भी गिरफ्तार

अभियान के दौरान पुलिस ने मुकुट कुमार शर्मा, इरफान, महेन्द्र सिंह रावत, देवेन्द्र सिंह दरोगा, चेतन बागरिया, ब्रम्हा बागरिया, रतन बागरिया, श्योजी पंवार और सुरेश कुमार बागरिया को धारा 170 बीएनएसएस के तहत शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया। सभी को न्यायालय/कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया।

यह पुलिस टीम रही शामिल

कार्रवाई में राजवीर सिंह पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी, बजरंग त्रिपाठी सउनि, कैलाश चन्द सउनि, रणजीत सिंह सउनि, सीयाराम सउनि, जसराज सउनि, शंकर लाल हैड कांस्टेबल नं. 45, गोपीराम हैड कांस्टेबल नं. 214, विजेन्द्र हैड कांस्टेबल नं. 46, तथा विजय सिंह कांस्टेबल नं. 428, मोहित सिंह कांस्टेबल नं. 323, गजेन्द्र सिंह कांस्टेबल नं. 389, मुकेश कुमार कांस्टेबल नं. 594 और ओमप्रकाश कांस्टेबल नं. 707 शामिल रहे।

शाहपुरा में कृषि मंडी है, मगर मंडी जैसा हाल नहीं!

किसानों की उपज को मिल रही 'दूसरे शहर की राह' ग्रीन बेल्ट का लोकार्पण और सूचना व्यवस्था पर बड़ा सवाल

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा। जिस कृषि उपज मंडी की चौखट पर क्षेत्र के किसानों को अपनी मेहनत की कमाई का उचित मूल्य, पारदर्शी व्यवस्था और सुविधाओं की उम्मीद होनी चाहिए, वही मंडी आज अव्यवस्थाओं और उपेक्षा के सवालों के बीच खड़ी नजर आ रही है। लंबे समय से कृषि उपज मंडी का सुचारू संचालन नहीं होने के कारण शाहपुरा क्षेत्र के काश्तकारों को अपनी उपज बेचने के लिए भीलवाड़ा या कैकड़ी का रुख करना पड़ रहा है। किसान के लिए खेत से मंडी तक पहुंचना ही जहां चुनौती है, वहीं अपनी ही मंडी में व्यवस्था नहीं मिलने के कारण उसे अतिरिक्त दूरी, परिवहन खर्च और समय की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। मंडी का मकसद साफ है किसान अपनी उपज लेकर आए, उसे बेहतर बाजार मिले, व्यापारियों के बीच प्रतिस्पर्धा हो और सरकारी प्रावधानों के अनुसार उसे उपज का उचित मूल्य मिले। लेकिन शाहपुरा कृषि उपज मंडी के मौजूदा हालात इन उद्देश्यों पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं।

अपनी मंडी होते हुए भी दूसरे शहरों की दौड़-

शाहपुरा और आसपास के गांवों के किसान वर्षों से इस मंडी से बेहतर व्यवस्था की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लेकिन मंडी का नियमित और प्रभावी संचालन नहीं होने से किसान अपनी उपज लेकर भीलवाड़ा या कैकड़ी जाने को मजबूर हैं। इससे किसान को परिवहन का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है और उपज को दूर तक ले जाने की परेशानी अलग। किसानों का कहना है कि जब शाहपुरा में कृषि उपज मंडी स्थापित है तो उन्हें अपनी फसल बेचने के लिए दूसरे शहरों की ओर क्यों जाना पड़े? स्थानीय स्तर पर मंडी को सक्रिय और सुविधायुक्त बनाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है?

मूलभूत सुविधाएं तक नसीब नहीं-

मंडी में आने वाले काश्तकारों के लिए मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी बड़ा सवाल बनी हुई है। किसान जब अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचता है तो उसे अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिलतीं। ऐसे में मंडी केवल व्यापार का स्थान नहीं रह जाती, बल्कि किसान के लिए इंतजार, असुविधा और अनिश्चितता का केंद्र बनती दिखाई देती है। किसानों का कहना है कि मंडी में पेयजल, बैठने, साफ-सफाई, उपज की तौल, जानकारी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि किसान अपनी उपज लेकर सम्मानजनक तरीके से व्यापार कर सके।

स्थायी मंडी सचिव नहीं, योजनाओं की रफ्तार भी सुस्त-

मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबसे गंभीर सवालों में से एक स्थायी मंडी सचिव की नियुक्ति को लेकर है। लंबे समय से स्थायी सचिव नहीं होने के कारण मंडी से जुड़ी व्यवस्थाओं और राज्य सरकार की योजनाओं की क्रियान्विति प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। कृषि क्षेत्र से जुड़ी सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े किसान तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन जब मंडी का प्रशासनिक ढांचा ही स्थायी और प्रभावी नहीं होगा तो योजनाओं की निगरानी, व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और किसानों की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कैसे होगाकृयह सवाल लगातार उठ रहा है।

व्यापारी भी परेशान, मांगें फाइलों में कैद!-

मंडी की अव्यवस्था का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। व्यापारियों की भी लंबे समय से कई मांगें लंबित बताई जा रही हैं। व्यापारियों का कहना है कि उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित गंभीरता और प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। मंडी में किसान, व्यापारी और प्रशासन इन तीनों के बीच बेहतर तालमेल होना किसी भी कृषि मंडी की सफलता की पहली शर्त है। लेकिन शाहपुरा में यही समन्वय कमजोर नजर आ रहा है। नतीजा यह कि किसान अपनी उपज लेकर मंडी आता है तो उसे कई सवालों के जवाब नहीं मिलते और व्यापारी भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इंतजार करता रहता है।

किसान पूछता है सरकारी भाव का लाभ आखिर किसे?-

सबसे गंभीर चिंता उपज के उचित मूल्य को लेकर है। किसानों की शिकायत है कि मंडी प्रशासन और काश्तकारों के बीच पर्याप्त संवाद नहीं होने से किसान कई बार अपनी उपज के संबंध में सही जानकारी से वंचित रह जाता है। आरोप यह भी है कि कतिपय व्यापारी किसानों को गुमराह कर सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य या उपलब्ध बाजार व्यवस्था का पूरा लाभ किसान तक नहीं पहुंचने देते। यदि ऐसा है तो सवाल केवल मंडी व्यवस्था का नहीं, बल्कि किसान की मेहनत और उसके अधिकार का है। किसान पूरे मौसम खेत में पसीना बहाता है, मौसम की मार झेलता है, महंगे बीज-खाद और कृषि लागत उठाता है और जब फसल बेचने की बारी आती है तो उसे सही जानकारी और उचित मूल्य के लिए ही संघर्ष करना पड़ेकृतो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

ग्रीन बेल्ट का लोकार्पण और सूचना व्यवस्था पर बड़ा सवाल-

मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर हाल ही में एक और सवाल खड़ा हुआ। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत दो दिन पूर्व मंडी परिसर में ग्रीन बेल्ट का लोकार्पण किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निश्चित रूप से सकारात्मक पहल है, लेकिन सवाल कार्यक्रम की सूचना को लेकर है। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम की जानकारी न तो काश्तकारों को दी गई, न सभी व्यापारियों को और यहां तक कि मीडिया को भी इसकी सूचना नहीं दी गई। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब मंडी परिसर में किसान और व्यापारी रोजाना अपनी गतिविधियों के लिए आते हैं, तो ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रम की सूचना उनसे क्यों छिपी रही?

मंडी प्रशासन आखिर सूचनाओं को सार्वजनिक क्यों नहीं करता?-

यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि मंडी प्रशासन आखिर अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों की सूचनाओं को सार्वजनिक क्यों नहीं होने देता? सरकारी संस्थानों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का अपना महत्व है। कार्यक्रम की जानकारी किसानों, व्यापारियों और मीडिया तक पहुंचने से न केवल जनता की भागीदारी बढ़ती है, बल्कि प्रशासन की कार्यशैली भी सार्वजनिक निगरानी के दायरे में रहती है। मीडिया जनता और प्रशासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। यदि मंडी में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी मीडिया तक ही नहीं पहुंचेगी तो आम किसान तक सूचना कैसे पहुंचेगी? क्या मंडी प्रशासन को चाहिए कि वह अपने कार्यक्रमों, योजनाओं, बैठकों और किसानों से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं को सार्वजनिक करे और मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाए।

अब सवालों के जवाब का इंतजार--

शाहपुरा कृषि उपज मंडी की तस्वीर बदलने के लिए केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि जमीन पर ठोस पहल की जरूरत है। स्थायी मंडी सचिव की व्यवस्था, मूलभूत सुविधाओं का विस्तार, किसानों और व्यापारियों की लंबित मांगों का निस्तारण, सरकारी योजनाओं की प्रभावी क्रियान्विति तथा पारदर्शी सूचना व्यवस्थाकृये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। किसान की उपज को दूसरे शहर की राह दिखाने के बजाय शाहपुरा मंडी को ही किसानों की पहली पसंद बनाना होगा। मंडी केवल भवन और परिसर का नाम नहीं, बल्कि किसान की मेहनत को बाजार तक सम्मानपूर्वक पहुंचाने की व्यवस्था है। अब शाहपुरा के काश्तकारों की निगाहें मंडी प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों पर टिकी हैं। सवाल सीधा है जब मंडी अपने शहर में है, तो किसान को अपनी फसल लेकर बाहर क्यों जाना पड़े? और जब सरकारी व्यवस्था किसानों के लिए है, तो किसान को उसकी जानकारी पाने के लिए भटकना क्यों पड़े?

नगर निकाय चुनाव का बिगुल : 309 निकायों में दो चरणों में मतदान...

27 अगस्त से नामांकन शुरू, 9 व 11 सितंबर को मतदान;

14 सितंबर को आएगा परिणाम, ब्यावर-अजमेर सहित जिले के निकायों में चुनावी सरगर्मी तेज

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। राजस्थान में लंबे समय से प्रतीक्षित नगर निकाय चुनावों का आखिरकार बिगुल बज गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 309 नगरीय निकायों के 10,245 वार्डों में पार्षद पदों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया। चुनाव कार्यक्रम जारी होते ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव दो चरणों में होंगे। 9 सितंबर को पहले चरण और 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान कराया जाएगा,

जबकि 14 सितंबर को मतगणना होगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि 27 अगस्त को अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी और 31 अगस्त तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होगी। सभी निकायों में मतदान ईवीएम के माध्यम से कराया जाएगा।

ब्यावर सहित इन निकायों में 9 सितंबर को वोटिंग

पहले चरण में ब्यावर, पीसांगन, नसीराबाद, केकड़ी, सरवाड़, टाटोटी, सावर, विजयनगर और मसूदा में 9 सितंबर को मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में अजमेर, किशनगढ़ और पुष्कर में 11 सितंबर को मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव कार्यक्रम सामने आने के साथ ही इन क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

21 सितंबर को सभापति, मेयर और अध्यक्ष का चुनाव

पार्षदों के चुनाव के बाद 21 सितंबर को नगर निगम में मेयर, नगर परिषद में सभापति और नगरपालिका में अध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। इसके अगले दिन 22 सितंबर को डिप्टी मेयर, उपसभापति और उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। इसी दिन संबंधित निकायों की साधारण सभा की बैठक भी आयोजित की जाएगी।

1.44 करोड़ से अधिक मतदाता डालेंगे वोट

प्रदेश के 309 नगरीय निकायों के चुनाव में 1 करोड़ 44 लाख 3 हजार 853 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव संपन्न कराने के लिए 1 लाख 15 हजार 255 कार्मिक लगाए जाएंगे, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के लिए 98 हजार 709 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सबसे कम 4,744 मतदाता इंदरगढ़ में हैं, जबकि सबसे अधिक 24 लाख 20 हजार 839 मतदाता जयपुर नगर निगम में हैं।

आचार संहिता लागू, नई घोषणाओं पर रोक

चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही सभी 309 नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। अब चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक नई विकास योजनाओं की घोषणा और नए कार्यों के वर्क ऑर्डर जारी करने पर रोक रहेगी। हालांकि आचार संहिता लागू होने से पहले स्वीकृत और शुरू हो चुके विकास कार्य जारी रह सकेंगे। पहले से घोषित योजनाओं के कार्य भी नियमानुसार किए जा सकेंगे। इस दौरान तबादलों पर भी रोक रहेगी।

टिकट को लेकर राजनीतिक दलों में बढ़ी हलचल

वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। अब चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों में उम्मीदवारों के चयन को लेकर मंथन तेज हो गया है। वार्ड स्तर पर संभावित प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ गई है। नामांकन शुरू होने के साथ ही चुनावी तस्वीर और स्पष्ट होगी तथा शहरों में राजनीतिक गतिविधियां चरम पर पहुंचने की संभावना है। उम्मीदवारों को चुनाव खर्च का पूरा विवरण मतदान प्रक्रिया के बाद 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करना होगा।

राजस्थान शिक्षक संघ RTA उपशाखा बेगूँ की बैठक संपन्न!

विभिन्न मांगों को लेकर 25 अगस्त को प्रदेशभर के शिक्षक करेंगे शिक्षा निदेशालय बीकानेर का घेराव

स्मार्ट हलचल

बेगूं । राजस्थान शिक्षक संघ उपशाखा बेगूँ की बैठक जिला मंत्री प्रदीप चौधरी की अध्यक्षता में हुई । बैठक में शिक्षकों की विभिन्न माँगो पर चर्चा करते हुए 25 अगस्त को शिक्षा निदेशालय बीकानेर के घेराव को सफल बनाने का निर्णय लिया गया ।ब्लॉक अध्यक्ष प्रताप सिंह हाड़ा ने बताया कि संगठन द्वारा पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाकर अध्यापकों के नीतिगत स्थानांतरण शीघ्र शुरू करने, ग़ैर शैक्षणिक कार्यो से मुक्त करने, लंबित डीपीसी को जल्द से जल्द पूर्ण करने, नई शिक्षा नीति की समीक्षा करने व सभी खाली पदो पर तुरंत स्थाई भर्ती की माध्यम से भरने की माँग को लेकर आगामी 25 अगस्त को शिक्षा निदेशालय बीकानेर का घेराव कर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा । ब्लॉक मंत्री गोविंद मीणा ने बताया कि संगठन द्वारा अगस्त माह में सदस्यता का सघन अभियान चलाया जाएगा, जिसमे अधिक से अधिक शिक्षकों को संघठन से जोड़ा जाएगा, साथ ही निदेशालय पर घेराव को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चला कर अधिक से अधिक शिक्षकों से बीकानेर चलने का आह्वान किया जाएगा । इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष विकास जांगिड,ब्लॉक कमेटी सदस्य फूला राम, प्रदीप, शकील अंसारी, मनोज मीना ,चन्द्रमोहन शर्मा,भरत मीना,अनिल कुमार, श्रवण कुमार, पुखराज मीणा, बृजेश मीना, दिनेश कुमार, कमल चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे ।

अपना घर वृद्धा आश्रम में निशुल्क नेत्र शिविर 20 से

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान में 20 अगस्त को निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में प्रातः 10 बजे आयोजित होगा समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ कृष्णा हेड़ा नेत्र विशेषज्ञ डीएनबी द्वारा नेत्र रोगियों को परामर्श दिया जाएगा शिविर में आवास ,भोजन, दवाइयां चश्मा ,निशुल्क दिए जाएंगे शिविर चार दिवसीय 20 से 23 अगस्त तक आयोजित होगा पहले दिन परामर्श दूसरे दिन नेत्र ऑपरेशन ,तीसरे दिन जांच ,चौथे दिन फॉलो अप किया जाएगा

गौ सेवा के माध्यम से जीव दया का संदेश, वर्धमान ग्रुप ने गौशाला में कराया हरा चारा व गुड़ वितरण

कोटा। जीव दया और गौ सेवा की भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'वर्धमान' कोटा की ओर से आदिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र नसियाजी, दादाबाड़ी स्थित गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रुप के दंपति सदस्यों ने गौ माता को हरा चारा एवं गुड़ अर्पित कर जीव दया का संदेश दिया। ग्रुप की अध्यक्ष सीमा अरविंद बागड़िया ने बताया कि ग्रुप की ओर से प्रत्येक माह नियमित रूप से गौ माता के लिए हरा चारा एवं गुड़ उपलब्ध कराने का सेवा कार्य किया जाता है। कार्यक्रम में सपना-पिंकेश सावला, चंद्रप्रकाश, कैलाश, शंभूजी सुरलाया, सुषमा-सुरेश हरसोरा, भावना-अंकित कोटिया तथा लतिका-अनिल सुरलाया सहित दंपति सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए गौ माता को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया। ग्रुप की अध्यक्ष सीमा अरविंद बागड़िया ने कहा कि जीव दया और सेवा भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण परंपराएं हैं। कार्यक्रम में लतिका-अनिल सुरलाया के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। वे प्रत्येक माह आयोजित होने वाले गौ सेवा कार्यक्रम में निरंतर सहयोग प्रदान करते हैं तथा गौशाला में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रुप की सचिव श्वेता नवीन सेठिया एवं कोषाध्यक्ष प्रियंका महावीर धानोप्या सहित समस्त कार्यकारिणी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। ग्रुप पदाधिकारियों ने कहा कि नियमित सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज में जीव मात्र के प्रति दया, करुणा और संवेदनशीलता की भावना को निरंतर बढ़ावा दिया जाएगा।

राजस्थान पुलिस की स्मार्ट पुलिसिंग को नई तकनीकी धार

साइबर सुरक्षा और OSINT आधारित प्रशिक्षण से 75 पुलिसकर्मी हुए तकनीकी रूप से दक्ष

स्मार्ट हलचल

जयपुर, महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार आधुनिक डिजिटल युग में सामने आ रही साइबर चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा राजस्थान पुलिस को तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में लगातार प्रयास जारी है। इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कोटा शहर पुलिस एवं भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) कोटा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रेंज स्तरीय तीन दिवसीय 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा आधारित स्मार्ट पुलिसिंग' प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को सफल समापन हुआ। कोटा रेंज आईजी श्री हरेन्द्र महावर के मार्गदर्शन एवं कोटा शहर पुलिस अधीक्षक श्रीमती तेजस्वनी गौतम (IPS) की अभिनव पहल पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध अनुसंधान तथा OSINT जैसी आधुनिक तकनीकों में दक्ष बनाना था, ताकि बदलते डिजिटल अपराधों की चुनौतियों का अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक तरीके से सामना किया जा सके।

75 पुलिसकर्मियों को मिले प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

17 से 19 अगस्त तक आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एडीजी श्री वी.के. सिंह ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले कोटा शहर एवं कोटा रेंज के 75 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर एडीजी श्री वी.के. सिंह ने आईजी श्री हरेन्द्र महावर के तकनीकी दृष्टिकोण तथा एसपी श्रीमती तेजस्वनी गौतम की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से जोड़ना वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि AI, साइबर सुरक्षा और OSINT जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण पुलिस की जांच एवं अपराध नियंत्रण क्षमता को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि कोटा शहर पुलिस एवं IIIT कोटा के संयुक्त प्रयास से पुलिसकर्मियों को अत्याधुनिक तकनीकों को समझने और उन्हें पुलिस कार्यों में प्रभावी रूप से उपयोग करने का अवसर मिला है। यह पहल भविष्य की स्मार्ट, तकनीक-सक्षम एवं नागरिक केंद्रित पुलिसिंग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

17 अगस्त को हुआ था शुभारंभ

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 17 अगस्त को राजस्थान के पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा द्वारा किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों की जांच, डिजिटल साक्ष्यों के उपयोग, AI आधारित तकनीकी टूल्स तथा OSINT के माध्यम से डिजिटल सूचनाओं के विश्लेषण सहित विभिन्न आधुनिक तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई।

पुलिस और तकनीकी संस्थान की साझेदारी

कार्यक्रम के सफल आयोजन में IIIT कोटा के कोर्स समन्वयक प्रोफेसर ज्ञान सिंह एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस एवं शैक्षणिक-तकनीकी संस्थान के इस सहयोगात्मक प्रयास से पुलिसकर्मियों को आधुनिक तकनीकों की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर मिला। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजस्थान पुलिस की स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। तकनीकी दक्षता, डेटा आधारित पुलिसिंग और AI जैसी उभरती तकनीकों के समावेश से पुलिस की अपराध अनुसंधान क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों को अधिक सुरक्षित, त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

बायतु में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फ्रॉड जागरूकता शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल

बायतु (चिमु धतरवाल)। बायतु में वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फ्रॉड जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय रिजर्व बैंक के LDM श्री वीरेंद्र जी चारण ने साइबर फ्रॉड के बढ़ते मामलों एवं उनसे बचाव के उपायों की जानकारी देकर की। उन्होंने डिजिटल अरेस्ट, मनी म्यूल, फर्जी कॉल, OTP फ्रॉड, UPI फ्रॉड एवं संदिग्ध लिंक जैसी साइबर धोखाधड़ी के तरीकों के बारे में समझाते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी। एरिया मैनेजर श्री चोखा राम चौधरी ने बचत, आर्थिक नियोजन एवं पंचसूत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नियमित बचत और सही वित्तीय नियोजन के माध्यम से परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रेरित किया। सेंटर मैनेजर श्री मदनलाल ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJ-BY) की जानकारी देते हुए इनके लाभ एवं पात्रता के बारे में बताया। शिविर में मारवाड़ महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति से जुड़ी राजीविका महिलाओं एवं ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग, वित्तीय जागरूकता एवं सरकारी वित्तीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। राजीविका के बीपीएम श्री मनीष जी एवं वित्तीय साक्षरता केन्द्र के डीईओ श्री रणछा राम मूंढ सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप कप कराटे प्रतियोगिता में राजसमंद के खिलाड़ियों ने जीते 17 पदक

स्मार्ट हलचल

राजसमन्द। 5 वीं महाराणा प्रताप कप कराटे राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन रविवार, 16 अगस्त 2026 को महावीर विद्या मंदिर, सेक्टर-13, उदयपुर में किया गया। प्रतियोगिता में 5 से 17 वर्ष की आयु के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में डी.आई. मिक्स मार्शल आर्ट अकादमी राजसमन्द पिछले 7 वर्षो से राजसमन्द एवं नाथद्वारा में अपना प्रषिक्षण दे रहे है के कुल 17 खिलाड़ियों ने कोच मनीष सिंह पंवार के सानिध्य में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 17 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में तीन बालिकाओं हरलीन, कनिष्का एवं निओमी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। वहीं मुदित, मायरा, कृतिका एवं रक्षिता ने रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अलावा नयन, देवनारायण, रक्षित, चार्वी, सनाया, भाविका, ध्याना, युर्वी, पिहू एवं दिया ने कांस्य पदक जीतकर राजसमंद का नाम रोशन किया। अकादमी के कोच मनीष सिंह पंवार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बच्चों को आगे भी इसी तरह मेहनत और लगन के साथ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

CHC कारोई का हाल बेहाल : दोपहर 12:37 बजे मरीजों की जगह सीढ़ियों पर कुत्ते कर रहे आराम, स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

स्मार्ट हलचल

गुरला:-
कारोई क्षेत्र का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कारोई मरीजों के लिए नहीं बल्कि आवारा कुत्तों के लिए 'आरामगाह' बन गया है। बुधवार दोपहर 12:37 बजे ली गई फोटो में साफ देखा जा सकता है कि CHC की मुख्य सीढ़ियों और प्रवेश द्वार पर 3-4 कुत्ते आराम से बैठे हुए हैं। अस्पताल परिसर में मरीजों की जगह कुत्तों का कब्जा देखकर ग्रामीणों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय जब मरीज आते हैं, तब अस्पताल की सीढ़ियों पर कुत्तों का राज रहता है। बूढ़े, बच्चे और बीमार लोग डर के मारे अंदर नहीं जा पाते।कुत्तों के आतंक से स्वास्थ्य केंद्र की साख पर भी बट्टा लग रहा है।ग्रामीणों ने मांग की है कि CHC कारोई में सफाईकर्मी की स्थायी तैनाती की जाए, गेट पर चौकीदार रखा जाए और आवारा पशुओं को परिसर से बाहर किया जाए, ताकि मरीज बिना डर के इलाज करवा सकें।

राजस्थान में नगर निकाय चुनाव का बिगुल, निकायों में आचार संहिता लागू

दो चरणों में 9 और 11 सितंबर को मतदान, 14 सितंबर को आएंगे नतीजे; 10,245 पार्षद पदों पर होगा चुनाव

स्मार्ट हलचल

जयपुर । राजस्थान में लंबे समय से प्रतीक्षित नगरीय निकाय चुनाव का कार्यक्रम बुधवार, 19 अगस्त 2026 को राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषित कर दिया। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही प्रदेश के संबंधित सभी 309 नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आचार संहिता प्रभावी रहेगी। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में कुल 10,245 पार्षद पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा। इनमें 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाएं शामिल हैं। मतदान दो चरणों में होगा। पहले चरण में 9 सितंबर 2026 और दूसरे चरण में 11 सितंबर 2026 को मतदान कराया जाएगा। दोनों चरणों की मतगणना 14 सितंबर 2026 को होगी और इसी दिन चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

27 अगस्त से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 27 अगस्त को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच 1 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 3 सितंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। 4 सितंबर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा।

आचार संहिता के बाद नए विकास कार्यों पर रोक

चुनाव कार्यक्रम जारी होते ही आचार संहिता लागू होने के कारण संबंधित नगरीय क्षेत्रों में नए विकास कार्यों की घोषणा, नए काम शुरू करने और नए वर्क ऑर्डर जारी करने पर रोक रहेगी। हालांकि, आचार संहिता लागू होने से पहले स्वीकृत एवं शुरू किए जा चुके विकास कार्य निर्धारित नियमों के अनुसार जारी रह सकेंगे। आवश्यक नागरिक सेवाएं भी प्रभावित नहीं होंगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव के दौरान वाहनों, लाउडस्पीकरों तथा पोस्टर-बैनर आदि के उपयोग को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 से संबंधित आदेश और निर्देश उपलब्ध हैं।

पार्षद चुनाव के बाद होंगे निकाय प्रमुखों के चुनाव

पार्षदों के चुनाव के बाद नगर निगमों में महापौर तथा नगर परिषद और नगरपालिकाओं में सभापति/अध्यक्ष के चुनाव कराए जाएंगे। इसके लिए 21 सितंबर 2026 को मतदान निर्धारित है। इसके बाद 22 सितंबर को उपाध्यक्ष पदों के लिए निर्वाचन होगा। राजस्थान में एक साथ 309 नगरीय निकायों में चुनाव होने से आने वाले दिनों में शहरी क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। चुनाव कार्यक्रम जारी होने के साथ ही अब प्रशासन, राजनीतिक दलों और संभावित प्रत्याशियों के लिए निर्वाचन संबंधी नियमों और आदर्श आचार संहिता का पालन अनिवार्य हो गया है।

बजरी के वर्चस्व को लेकर दिनदहाड़े गैंगवार, कोटड़ी चौराहे पर मचा हड़कंप

स्कॉर्पियो समेत दो वाहनों में तोड़फोड़, लाठी-डंडों से भिड़े दो गुट; हवाई फायरिंग की चर्चा, एसपी बोले जांच जारी

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। जिले में बजरी के अवैध कारोबार को लेकर चल रहा वर्चस्व का विवाद बुधवार को खुलेआम सड़क पर आ गया। सदर थाना क्षेत्र के कोटड़ी चौराहे पर देव फर्नीचर के समीप दो गुटों के बीच दिनदहाड़े जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया। इस दौरान स्कॉर्पियो समेत दो वाहनों में तोड़फोड़ कर शीशे फोड़ दिए गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत आकोला के पास नदी क्षेत्र में बजरी को लेकर हुई कहासुनी से हुई। इसके बाद दोनों पक्ष वाहनों से एक-दूसरे का पीछा करते हुए कोटड़ी चौराहे तक पहुंच गए। यहां देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और दोनों गुट सड़क पर आमने-सामने भिड़ गए। बताया जा रहा है कि विवाद बजरी के दो गुट से जुड़े लोगों के बीच हुआ। इसी दौरान हवाई फायरिंग किए जाने की भी चर्चा सामने आई। सूत्रों के अनुसार विवाद के दौरान गोली चलने की बात भी सामने आ रही है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। मौके से कारतूस का कोई खोल भी बरामद नहीं हुआ है। घटना के बाद चौराहे पर दहशत का माहौल बन गया। आसपास के कुछ दुकानदारों ने एहतियातन अपने प्रतिष्ठानों के शटर तक गिरा दिए। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई। एसपी सागर राणा ने बताया कि दो गुटों के बीच मारपीट और वाहनों में तोड़फोड़ हुई है। हवाई फायरिंग की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मामले में कुछ लोगों को डिटेन भी किया गया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद की वास्तविक वजह क्या थी और घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे। बजरी के अवैध कारोबार से जुड़े वर्चस्व के विवाद में हाईवे किनारे दिनदहाड़े हुई इस घटना ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही साफ होगा कि हवाई फायरिंग हुई थी या नहीं और दोनों गुटों के बीच विवाद की पूरी कहानी क्या है।

भाजपा ने निकाय चुनावों का फूंका बिगुल, बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश निकाय चुनाव प्रभारी ने भरा जोश

चुनावों में कार्यकर्ता 24 में से 14 घंटे संगठन को दें, एक एक मिनट की योजना बनाएं - द्विवेदी

निगम के 70 वार्डों में आज लगेंगे प्रभारी व संयोजक, लेंगे आवेदन - मेवाड़ा

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा 18 अगस्त। जिले की एक नगर निगम एवं 10 नगर पालिकाओं में होने वाले निकाय चुनावों को लेकर भाजपा जिला संगठन अलर्ट मोड पर है। इसी के तहत भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी ने बुधवार को जिला कार्यालय पर जनप्रतिनिधियों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला पदाधिकारियों सहित निकायों से संबंधित पालिकाध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों की अहम बैठक ली। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने की। इस अवसर पर संभाग चुनाव सह प्रभारी विष्णु चेतानी, लालचंद कटारिया, जिला संगठन प्रभारी संजय जैन, सह प्रभारी मिद्धूलाल जाट, विधायक जब्बरसिंह सांखला, लादूलाल पीतलिया, उदयलाल भडाना, लालाराम बैरवा, गोपाल खंडेलवाल, पूर्व सांसद सुभाष बहेडिया, पूर्व विधायक विट्ठलशंकर अवस्थी, रामलाल गुर्जर, बी आर चौधरी, बद्रीप्रसाद गुरुजी, पूर्व महापौर राकेश पाठक भी मंचासीन रहे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी ने बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निकाय चुनाव सामने है, कार्यकर्ता अब 24 घंटे में से कम से कम 14 घंटे संगठन को देवे और एक एक मिनट की योजना बनाकर चुनावों में जुट जाएं। उन्होंने मंच की ओर इशारा करते हुए कहा कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों और शीर्ष पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्हें जिला स्तर के पदाधिकारियों से लेकर मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर तक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और एकजुटता के वातावरण निर्माण का कार्य प्राथमिकता से करना है और अपनी पूरी ताकत निकाय चुनावों में झोंकनी है, फतेह निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी की होगी।

निकाय स्तर पर बैठक और कार्यकर्ता सम्मेलन होंगे

राष्ट्रीय महामंत्री द्विवेदी ने कहा कि चुनावो के मद्देनजर शीर्ष नेतृत्व द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों के तहत 21 अगस्त तक निकाय और बूथ स्तर तक बैठकें आयोजित करनी है और 25 अगस्त तक नगर निगम सहित सभी नगर पालिका क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलनों का आयोजन किया जाना है। इससे पूर्व उन्होंने संबंधित मंडल, शक्ति केंद्रों और बूथ स्तर तक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का आह्वान किया।

जिला कोर कमेटी सहित निकाय स्तर पर गठित होगी चुनाव प्रबंधन समिति

द्विवेदी ने नगर निकाय चुनावों के तहत जिला स्तर पर कोर कमेटी के गठन के साथ ही नगर निगम सहित अन्य दस नगरपालिका क्षेत्र में चुनाव प्रबंधन समितियों के गठन के दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इन समितियों में चुनाव संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाए, जो चुनाव पूर्व एवं चुनाव की तिथि के दिन मतदान केंद्र की समस्त व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संपादित करे।

लाभार्थी एवं नवमतदाताओं से संपर्क पर जोर

उन्होंने निकाय स्तर पर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों एवं नव मतदाताओं से विशेष रूप से संपर्क के साथ ही वार्ड स्तर पर समस्त मतदाताओं से चौपाल एवं मोहल्ला बैठकों एवं व्यक्तिगत रूप से रुबरु होने की कार्य योजना बनाने की बात कही। इसके अलावा पार्टी की विचारधारा से नए लोगों को जोड़कर नवीन सदस्य बनाने पर भी उन्होंने जोर दिया।

जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने रखी बैठक प्रस्तावना, किया सभी का स्वागत

जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने बैठक की प्रस्तावना रखते हुए सभी का स्वागत किया और कहा कि भाजपा जिला संगठन सदैव प्रदेश में अग्रणी रहा है और लोकसभा, विधानसभा चुनावों में जिले को कांग्रेस मुक्त किया है। निकाय चुनावों में भी इस क्रम को बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री प्रहलाद त्रिपाठी ने किया एवं आभार जिला महामंत्री अविनाश जीनगर ने प्रकट किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

निगम के 70 वार्डों में प्रभारी, संयोजक और पालिका स्तर पर समन्वयक, प्रभारी लेंगे आवेदन

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने बताया कि निकाय चुनाव में संभावित प्रत्याशियों की सूची तैयार करने के लिए नगर निगम के 70 ही वार्डों में गुरुवार को प्रभारी एवं संयोजक लगाए जाएंगे। इसी प्रकार नगर पालिका स्तर पर समन्वयक एवं प्रभारी की घोषणा भी कल की जाएगी। ये दो से तीन दिन के भीतर संबंधित वार्ड या पालिका स्तर पर सर्वे करने के साथ ही इच्छुक दावेदारों से आवेदन प्राप्त कर जिला संगठन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

गंगापुर में युवा अध्यापक संगोष्ठी का आयोजन

(शताब्दी वर्ष पर युवा आधारित कार्यक्रम)

स्मार्ट हलचल

गंगापुर / राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड गंगापुर के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में युवा आधारित कार्यक्रम के अंतर्गत युवा अध्यापक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में प्रान्त प्रौढ़ कार्य प्रमुख सियाराम एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद के आयाम प्रमुख जगजितेंद्र सिंह उपस्थित रहे। दोनों वक्ताओं ने शिक्षकों को भारत की गौरवशाली परंपराओं, गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों तथा प्राचीन आविष्कारों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि भारत की इन गौरवशाली परंपराओं को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। साथ ही संस्कारवान और चरित्रवान नागरिक बनाकर भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आग्रह किया। हिंदू विचार, नागरिक कर्तव्य, स्वत्त्व बोध के माध्यम से वर्तमान उभरते हुए भारत और भविष्य के भारत के निर्माण हेतु आह्वान भी किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना बालूराम कुमावत ने रखी। संगोष्ठी में विभाग मुख्य मार्ग प्रमुख दिलीप तुरकिया, सीबीईओ नरोत्तम दाधीच, एसीबीईओ माधव सिंह बड़वा, प्रधानाचार्य गोवर्धन लाल स्वर्णकार, लाल सिंह राठौड़ सहित अनेक शिक्षक बंधुओं ने भाग लिया।

पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाया निर्वाण लड्डू

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। दिगंबर जैन शीतलनाथ मंदिर में बुधवार को भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मन्दिर में अनेक महिला-पुरुष सजोड़े पहुच कर भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके बाद जैन समाज की ओर से भगवान पार्श्वनाथ को मोक्ष निर्माण लड्डू चढ़ाकर निर्वाण कल्याणक मनाया गया। समाज के नवयुवक मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सेठी ने बताया कि मोक्ष सप्तमी के अवसर पर समाज की दृष्टि, मयरा, सौम्या, पूर्वंशी, नैंनसी, मिस्टी, अपेक्षा, अतु और मनोज्ञा सहित बालक बालिकाओ ने पूरे दिन बिना पानी के उपवास की तपस्या रखकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर नेमीचंद पाठोदी, विमल झाझरी, प्रकाश गोधा, जयकुमार सेठी, सुनील गोधा,श्रवण सेठी, कैलाश सेठी, धर्मचंद गोधा, सुरेश गोधा, पारस गोधा, गोपाल गोधा, निलेश गोधा, धर्म चंद कासलीवाल, राजू कासलीवाल, रवि कासलीवाल, विनय झाझरी, विकास झाझरी, अनिल झाझरी, लोकेश गोधा, अमित सेठी, बिद्धू सेठी, अंकुर सेठी, बाबूलाल सेठी, कविस व तनिस सहित समाजजन मौजूद रहे। वही महिला मण्डल की मैना सेठी, मैना गोधा, रिंकू सेठी, रचना कासलीवाल, इंदिरा पटौदी, सरला झाझरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान पारसनाथ को निर्वाण लड्डू अर्पित कर पूजा-अर्चना की।वही शाम को मंदिर परिसर में भगवान की भव्य आरती हुई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया।

भीलवाड़ा डेयरी ने दूध संकलन में बनाया नया कीर्तिमान, 4.41 लाख लीटर प्रतिदिन का नया रिकॉर्ड

लगाई बड़ी छलांग, पशुपालकों के सहयोग से पिछले वर्ष की तुलना में 49 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि, 5.50 लाख किलोग्राम प्रतिदिन का लक्ष्य

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ ने दुग्ध संकलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भीलवाड़ा डेयरी के प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने बताया कि डेयरी ने इस वर्ष दूध संकलन के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल करते हुए गत वर्ष की तुलना में 49 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। भीलवाड़ा डेयरी ने 18 अगस्त 2026 को अब तक का उच्चतम स्तर प्राप्त करते हुए 4 लाख 41 हजार लीटर प्रतिदिन दूध संकलन का लक्ष्य हासिल किया। पिछले वर्ष इसी अवधि में दूध संकलन करीब 2 लाख 96 हजार लीटर प्रतिदिन था। इस वर्ष पशुपालकों के सहयोग, दुग्ध समितियों की सक्रियता तथा संघ के प्रयासों से दूध संकलन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि को भीलवाड़ा जिले के दुग्ध व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने जिले के समस्त दुग्ध उत्पादक पशुपालकों का भीलवाड़ा सरस डेयरी पर विश्वास जताने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सफलता पशुपालकों के विश्वास, उनके अथक परिश्रम तथा संघ के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। प्रबंध संचालक ने कहा कि भीलवाड़ा डेयरी का प्रमुख उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक पशुपालकों को डेयरी से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि करना तथा उनके सर्वांगीण विकास में योगदान देना है। उन्होंने अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कर्मचारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी तरह सतत प्रयास करते हुए प्रतिदिन 5.50 लाख किलो ग्राम दूध संकलन का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि दूध संकलन बढ़ाने के साथ-साथ प्रत्येक दुग्ध सहकारी समिति के माध्यम से अधिकाधिक पशुपालकों को डेयरी से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इससे जिले के अधिक से अधिक पशुपालकों को दुग्ध व्यवसाय का लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पाटीदार ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, दुग्ध समितियों एवं पशुपालकों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि भीलवाड़ा डेयरी भविष्य में भी इसी प्रकार प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगी। सामूहिक प्रयासों से भीलवाड़ा दुग्ध व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ पशुपालकों की आय में वृद्धि के लिए लगातार काम किया जाएगा। डेयरी प्रबंधन का मानना है कि दूध संकलन में हुई यह वृद्धि जिले में दुग्ध सहकारी आंदोलन को और मजबूती प्रदान करेगी। पशुपालकों की बढ़ती भागीदारी से दुग्ध समितियों का नेटवर्क मजबूत होगा और डेयरी के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। 18 अगस्त को हासिल किया गया 4.41 लाख लीटर प्रतिदिन का संकलन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जो भीलवाड़ा जिले में दुग्ध व्यवसाय की बढ़ती संभावनाओं और पशुपालकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

80 वें स्वतंत्रता दिवस पर वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय सम्मानित

नेत्रदान, नेत्र चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, जनजागरूकता एवं समाजसेवा में दीर्घकालीन उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला प्रशासन ने प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

स्मार्ट हलचल

कोटा। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, कोटा की ओर से सुवि नेत्र चिकित्सालय एवं लेसिक लेज़र सेंटर, कोटा के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय को नेत्र चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, जनजागरूकता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में दीर्घकालीन एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर, संभागीय आयुक्त श्री अनिल कुमार अग्रवाल, जिला कलेक्टर श्री पीयूष समारिया तथा पुलिस महानिरीक्षक, कोटा रेंज श्री हरेन्द्र कुमार महावर की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया। डॉ. पाण्डेय पिछले तीन दशकों से नेत्र चिकित्सा, नेत्र शल्य चिकित्सा, चिकित्सा शिक्षा, युवा नेत्र चिकित्सकों के प्रशिक्षण, जनस्वास्थ्य जागरूकता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। उन्हें एक लाख से अधिक नेत्र शल्य चिकित्साएं करने तथा 20 लाख से अधिक रोगियों के उपचार का व्यापक अनुभव है। आधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ उनका विशेष प्रयास रहा है कि नेत्र रोगों की रोकथाम, समय पर पहचान एवं उपचार से संबंधित जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक के साथ डॉ. पाण्डेय लेखक, प्रेरक वक्ता एवं समाजसेवी के रूप में भी सक्रिय हैं। स्वास्थ्य जागरूकता, युवा प्रेरणा, सकारात्मक जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर वे निरंतर लेखन और संवाद करते हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में 'ज़िंदगी का जश्न: सुखद, सफल और सार्थक जीवन के 101 सुनहरे सूत्र', 'ऑपरेशन महाशक्ति भारत 2047' तथा 'डायरी ऑफ एन आई सर्जन' सहित अनेक पुस्तकें शामिल हैं। समाचार पत्रों, डिजिटल माध्यमों, व्याख्यानों एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भी वे स्वास्थ्य एवं सामाजिक विषयों पर व्यापक जनसंवाद करते रहे हैं। नेत्रदान एवं कॉर्नियल ब्लाइंडनेस की रोकथाम डॉ. पाण्डेय के जनजागरूकता अभियानों का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वे लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए प्रेरित करने तथा कॉर्नियल दृष्टिहीनता से जूझ रहे रोगियों के जीवन में फिर से रोशनी लाने के उद्देश्य से निरंतर जागरूकता अभियान चलाते रहे हैं। बच्चों, विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ वे कोटा के विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भी योगदान देते रहे हैं। नेत्र चिकित्सा सेवा के साथ-साथ डॉ. पाण्डेय ने चिकित्सा शिक्षा एवं युवा चिकित्सकों के प्रशिक्षण में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। सुवि नेत्र चिकित्सालय, कोटा में विगत लगभग दो दशकों के दौरान देश-विदेश से आए 100 से अधिक युवा नेत्र चिकित्सकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के विभिन्न नेत्र चिकित्सा सम्मेलनों, वैज्ञानिक सत्रों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नियमित रूप से अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करते रहे हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. सुरेश कुमार पाण्डेय ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि सुवि नेत्र चिकित्सालय की पूरी टीम, सहयोगी चिकित्सकों, कर्मचारियों, मरीजों, शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का सम्मान है, जिन्होंने वर्षों से सेवा के इस सफर में उनका साथ दिया है।

चांदगढ़ में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भगवान को लगाया 56 भोग

स्मार्ट हलचल

आकोला / कस्बे के चांदगढ़ गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान मंगलवार रात्रि भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना कर कथा का श्रवण किया। कथा वाचन कथावाचक प्रखर जी महाराज द्वारा किया जा रहा है। कथा का आयोजन प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से 11 बजे तक किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भागवत कथा का आनंद ले रहे हैं। 56 भोग के अवसर पर धार्मिक माहौल भक्तिमय नजर आया।

नगर निकाय चुनाव 2026 : भीलवाड़ा सहित जिले के 11 नगरीय निकायों में दो चरणों में होगा मतदान

27 अगस्त से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, 9 और 11 सितंबर को मतदान; 14 सितंबर को होगी मतगणना, चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आचार संहिता लागू

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान ने नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है, जो चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में आम चुनाव दो चरणों में करवाए जाएंगे। भीलवाड़ा जिले में नगर निगम भीलवाड़ा सहित कुल 11 नगरीय निकायों में चुनाव होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के अनुसार भीलवाड़ा जिले में पहले चरण में नगर निगम भीलवाड़ा और नगर पालिका बीगोद में मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में नगर पालिका आसींद, गुलाबपुरा, गंगापुर, हमीरगढ़, बनेड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, मांडलगढ़ और बिजौलिया में चुनाव होंगे।

27 अगस्त को जारी होगी चुनाव की लोक सूचना

सदस्य पदों के निर्वाचन के लिए 27 अगस्त 2026 को लोक सूचना जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 1 सितंबर को होगी। अभ्यर्थी 3 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। इसके बाद 4 सितंबर को चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा।

9 और 11 सितंबर को होगा मतदान

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर 2026 को तथा द्वितीय चरण का मतदान 11 सितंबर 2026 को कराया जाएगा। मतदान का समय प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। दोनों चरणों के चुनाव की मतगणना 14 सितंबर 2026 को होगी।

21 सितंबर को अध्यक्ष पदों के लिए मतदान

नगरीय निकायों के अध्यक्षीय पदों के लिए 15 सितंबर 2026 को लोक सूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 16 सितंबर, नामांकन पत्रों की संवीक्षा 17 सितंबर और अभ्यर्थिता वापस लेने की अंतिम तिथि 18 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित की गई है। इसी दिन अभ्यर्थिता वापसी का समय समाप्त होने के तुरंत बाद चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। अध्यक्षीय पदों के लिए मतदान 21 सितंबर 2026 को प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी।

22 सितंबर को होगा उपाध्यक्ष पद का चुनाव

उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए 22 सितंबर 2026 की तिथि निर्धारित की गई है। निर्वाचन प्रक्रिया के लिए बैठक सुबह 10 बजे शुरू होगी। नामांकन पत्र सुबह 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 11.30 बजे से होगी तथा अभ्यर्थिता वापस लेने का समय अपराह्न 2 बजे तक रहेगा। आवश्यकता होने पर उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान अपराह्न 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी।

चुनाव कार्यक्रम के साथ आचार संहिता लागू

चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों एवं आमजन से निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने में सहयोग करने का आह्वान किया है।

भीलवाड़ा जिले में दो चरणों में चुनाव

प्रथम चरण – 9 सितंबर 2026:
नगर निगम भीलवाड़ा और नगर पालिका बीगोद।
द्वितीय चरण – 11 सितंबर 2026:
नगर पालिका आसींद, गुलाबपुरा, गंगापुर, हमीरगढ़, बनेड़ा, शाहपुरा, जहाजपुर, मांडलगढ़ और बिजौलिया। इस चुनाव कार्यक्रम के साथ भीलवाड़ा जिले के शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है।

आमेट के नए बीडीओ के रूप में राजेश कुमार जैन ने किया पदभार ग्रहण

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा।राजसमंद जिले के आमेट के नये बीडीओ के रूप मे राजेश कुमार जैन ने निवर्तमान बीडिओ गजराज मेनारिया से पदभार लिया। निवर्तमान बीडीओ गजराज मेनारिया ने बुके देकर नये बीडीओ जैन का स्वागत किया। इस मौके पर नये बीडीओ राकेश कुमार जैन ने कहा ने कि सभी के सहयोग से विकास कार्यों को और गति देगें। सुदूर ग्रामीण इलाकों तक विकास योजनाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। मजदूरो के पलायन रोकने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। विदित हो की राजेश कुमार जैन अतिरिक्त विकास अधिकारी के पद से हाल ही में पदोन्नत होने के बाद बीडियो पद पर इनकी पहली पोस्टिंग आमेट में हुई इससे पहले ये रेलमंगरा में अपनी सेवाएं लंबे समय से देते आ रहे है, इस दौरान इनके कार्य से सभी लोग संतुष्ट रहे थे। इस अवसर पर निवर्तमान विकास अधिकारी गजराज मेनारिया, सहायक विकास अधिकारी घनश्याम सिंह, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रहलाद कुमार एवं पंचायत समिति रेलमगरा से अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मुकेश कुमार महता, वरिष्ठ सहायक भगवती लाल शर्मा, कनिष्ठ सहायक माधव लाल सिरवी, विनोद कुमार व्यास, दिनेश जाट, कंप्यूटर ऑपरेटर नरेश जाट, भवानीशंकर बुनकर सहित समस्त स्टाफ की उपस्थित में नए बीडियो के पदभार ग्रहण करने पर सभी ने उपरणा ओढ़कर व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया।

श्री सारथी फाउंडेशन द्वारा 'नारियाँ In लहरिया' सावन महोत्सव का भव्य आयोजन

फोर्ट प्राइम, महल रोड जगतपुरा में हुआ रंगारंग कार्यक्रम, लहरिया में सराबोर दिखीं महिलाएं

स्मार्ट हलचल

जयपुर / श्री सारथी फाउंडेशन के तत्वावधान में 'नारियाँ In लहरिया' सावन महोत्सव का

आयोजन होटल फोर्ट प्राइम, महल रोड जगतपुरा में बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने वाली सभी सदस्याओं का पारंपरिक तिलक और गुलाब के फूलों से स्वागत किया गया। पूरा माहौल लहरिया की छटा और सावन के गीतों से सराबोर रहा। सभी महिलाएं लहरिया परिधान में बेहद खूबसूरत नजर आईं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि जानी-मानी एक्ट्रेस शिवानी पुरोहित रहीं। उनका साफा, माला और विशिष्ट उपहार देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन ओमबाला मीणा और लक्ष्मी मीणा ने किया।

प्रतियोगिताओं के विजेता

महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया:

लहरिया क्वीन : पेरिस शर्मा
बेस्ट डांस : अनिता मीणा
रैंपवॉक : मिसेज मंजुलता वर्मा और मिस सोनल गुर्जर
बेस्ट स्माइल : पूजा मीणा
बेस्ट आउटफिट : संतोष मीणा
बेस्ट ड्रेस ड्रेपिंग : वंशिका लोचन
बेस्ट एनर्जेटिक लेडी : बबीता बंशीवाल
बेस्ट ग्लोइंग फेस : ओमबाला मीणा

न्यू स्टार्टअप में उत्कृष्ट कार्य के लिए ऋषिता मीणा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सभी विजेताओं के लिए फाउंडेशन की अध्यक्ष अनिता मीणा के ब्रांड ANEKTA Jaipur द्वारा गिफ्ट्स स्पॉन्सर किए गए। कार्यक्रम में डांस परफॉर्मेंस, रैंपवॉक, मौज-मस्ती और कई रोचक गेम्स का आयोजन हुआ। स्वादिष्ट और लजीज भोजन का सभी ने आनंद लिया।

ऐसे आयोजन है सांस्कृतिक सौहार्द की भावना का प्रतीक- कार्यक्रम संयोजक अध्यक्ष अनिता मीणा

इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक अनिता मीणा ने बताया कि 'हम हर साल इसी जोश और उल्लास के साथ सावन महोत्सव मनाते हैं। संस्था से जुड़ी सभी बहनों के मनोरंजन के लिए वर्ष में 2-3 बार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सावन का महीना भगवान शिव और माता गौरा के प्रेम और सम्मान का प्रतीक है, इसलिए पूरे महीने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती है। यह आयोजन सांस्कृतिक सौहार्द की भावना का प्रतीक है।' कार्यक्रम के अंत में संस्था के सभी सदस्यों और अतिथियों का तहेदिल से आभार व्यक्त किया गया। आयोजकों ने कहा कि आगे भी इसी तरह सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

नगर निकाय, पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने ली देवली-उनियारा में संगठनात्मक बैठकें

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत कर चुनावी मैदान में उतरेंगे: सांसद हरीश चन्द्र मीना

स्मार्ट हलचल

टोंक/भरत देवड़वाल। आगामी नगरपालिका एवं पंचायतीराज चुनावों की तैयारियों को लेकर टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने बुधवार वार को देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र के उनियारा एवं देवली में संगठनात्मक बैठकें कीं। उनियारा स्थित अग्रवाल धर्मशाला में ब्लॉक अलीगढ़-उनियारा के तथा देवली स्थित कांग्रेस कार्यालय में ब्लॉक देवली के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सांसद ने विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और स्थानीय स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन हुआ। संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय पर ही निर्भर है- सांसद हरीश मीणा इस अवसर पर सांसद हरीश चन्द्र मीना ने कहा कि 'कांग्रेस संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय पर ही निर्भर है। आगामी चुनावों के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ जुटे।' उन्होंने कहा कि जनता से निरंतर संवाद, स्थानीय मुद्दों को मजबूती से उठाना और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ही संगठन को और मजबूत बनाएगी। सांसद ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं एवं सुझावों को भी गंभीरता से सुना और आवश्यक स्तर पर समाधान का आश्वासन दिया। सांसद महोदय ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पूरी ऊर्जा के साथ चुनावी तैयारियों में लगने का आह्वान किया। बैठकों में बड़ी संख्या में ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारी, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद के लिए सुबह 4 बजे से कतार, 500 किसानों में करीब 400 खाली हाथ लौटे

IFFCO बाजार में खाद को लेकर किसानों की बढ़ी परेशानी, करीब 150 टोकन ही बांटे गए, एक टोकन पर 2 नग खाद

स्मार्ट हलचल

टोंक । रबी की फसल की बुवाई की तैयारी के बीच खाद को लेकर किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। टोंक के IFFCO बाजार में खाद लेने के लिए किसान बुधवार सुबह करीब 4 बजे से ही पहुंचना शुरू हो गए। सुबह होते-होते खाद लेने वाले किसानों की लंबी कतार लग गई और किसानों की संख्या करीब 500 तक पहुंच गई। किसानों का कहना है कि रबी की फसल के लिए खाद की आवश्यकता है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें घंटों इंतजार करने के बावजूद खाद नहीं मिल पा रही है। खाद लेने के लिए कई किसान अंधेरे में ही घरों से निकलकर IFFCO बाजार पहुंच गए और अपनी बारी का इंतजार करते रहे।

करीब 150 टोकन ही बांटे गए

मौके पर किसानों के अनुसार करीब 150 टोकन ही वितरित किए गए। इसके अलावा एक टोकन पर केवल 2 नग खाद दिए जाने की बात सामने आई। इससे कतार में खड़े सैकड़ों किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। किसानों के मुताबिक करीब 500 किसान खाद लेने के लिए पहुंचे थे, लेकिन इनमें से लगभग 400 किसानों को बिना खाद लिए ही वापस लौटना पड़ा। कई किसान घंटों तक लाइन में खड़े रहे, लेकिन नंबर नहीं आने के कारण उन्हें निराश होकर वापस जाना पड़ा।

सुबह से इंतजार, फिर भी नहीं मिली खाद

किसानों का कहना है कि सुबह 4 बजे से लाइन में लगने के बाद भी यदि खाद नहीं मिले तो किसान आखिर कहां जाएं। रबी की फसल की बुवाई का समय नजदीक है और ऐसे में खाद की जरूरत बढ़ गई है। किसानों को डर है कि समय पर खाद नहीं मिलने से उनकी बुवाई प्रभावित हो सकती है। किसानों ने मांग की है कि खाद वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए और किसानों की संख्या के हिसाब से पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाई जाए। किसानों का कहना है कि टोकन की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ खाद की आपूर्ति भी बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि दूर-दराज से आने वाले किसानों को खाली हाथ वापस नहीं लौटना पड़े।

किसानों का सवाल–जब मांग इतनी ज्यादा है तो पर्याप्त खाद कब आएगी?

IFFCO बाजार में सुबह से लगी लंबी कतार और बड़ी संख्या में किसानों के खाली हाथ लौटने से खाद की उपलब्धता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। किसानों का कहना है कि प्रशासन को समय रहते खाद की पर्याप्त व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि रबी की फसल के सीजन में किसानों को इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

विभागीय जांच के बीच उनियारा के तत्कालीन एएसआई रतनलाल मीणा निलंबित,

करीब 15 दिन पहले किया था लाइन हाजिर, अब विभागीय जांच के चलते निलंबन; मालपुरा रहेगा मुख्यालय

स्मार्ट हलचल

टोंक/ उनियारा / टोंक जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना (आईपीएस) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उनियारा थाने के तत्कालीन सहायक उप निरीक्षक एवं वर्तमान में पुलिस लाइन टोंक में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) रतनलाल पुत्र मोरपाल मीणा को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को जारी आदेश में एएसआई रतनलाल मीणा के विरुद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित होने का उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 13(1)(क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एएसआई रतनलाल मीणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा।

निलंबन अवधि में एएसआई रतनलाल का मालपुरा रहेगा मुख्यालय

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि के दौरान राजस्थान सेवा नियम-53(1) के प्रावधानों के अनुसार उन्हें वेतन का आधा भाग निर्वाह भत्ते के रूप में देय होगा। वहीं निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय पुलिस उप अधीक्षक, वृत्त-मालपुरा कार्यालय निर्धारित किया गया है।

करीब 15 दिन पहले लाइन हाजिर-अब निलंबन की कार्रवाई

जानकारी के अनुसार शिकायतों के चलते एएसआई रतनलाल मीणा को करीब 15 दिन पूर्व ही पुलिस लाइन टोंक भेजते हुए लाइन हाजिर किया गया था। अब उनके विरुद्ध विभागीय जांच प्रस्तावित होने के बाद पुलिस अधीक्षक रोशन मीना द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है। इससे पुलिस महकमे में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

क्या शिकायतों और आरोपों की होगी विभागीय जांच?

सूत्रों के अनुसार एएसआई रतनलाल मीणा के कार्यकाल को लेकर पिछले कुछ समय से विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही थी। इनमें कथित रूप से अपराधियों को संरक्षण देने, अवैध वसूली तथा साइबर ठगी से जुड़े संदिग्ध लोगों के साथ संपर्क जैसे आरोपों की चर्चा रही है।हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अब विभागीय जांच के दौरान शिकायतों, उपलब्ध अभिलेखों, पुलिस कार्रवाई, तकनीकी साक्ष्यों तथा संबंधित व्यक्तियों के बयानों की जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

साइबर ठगी और बजरी कारोबार से जुड़े आरोप भी चर्चा में

क्षेत्र में चर्चा और शिकायतों के अनुसार एएसआई रतनलाल मीणा पर उनियारा सर्किल क्षेत्र में कथित रूप से साइबर ठगी से जुड़े आरोपियों को संरक्षण दिए जाने के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। इसी प्रकार अवैध बजरी परिवहन से जुड़े लोगों के साथ कथित संपर्क अथवा सांठगांठ के आरोपों की भी चर्चा सामने आती रही है। इन आरोपों को लेकर विभागीय स्तर पर क्या तथ्य सामने आते हैं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पूर्व में बजरी ट्रैक्टर का पीछा करने के दौरान महिला की मौत का मामला भी रहा चर्चा में

पूर्व में अवैध बजरी परिवहन से जुड़े एक मामले में बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा करने के दौरान सामने से आ रही बाइक पर सवार बाजोलिया निवासी महिला की मौत हो गई थी। घटना के बाद उनियारा थाने पर विरोध प्रदर्शन भी हुआ था। इस मामले के बाद पुलिस अधीक्षक स्तर से एएसआई रतनलाल मीणा को पूर्व में लाइन हाजिर किए जाने की बात सामने आई थी। अब एक बार फिर विभागीय जांच प्रस्तावित करते हुए निलंबन की कार्रवाई किए जाने से पूरे मामले को लेकर पुलिस महकमे में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी

फिलहाल निलंबन आदेश में विभागीय जांच प्रस्तावित होने की बात कही गई है। इसलिए एएसआई रतनलाल मीणा के विरुद्ध लगाए जा रहे विभिन्न आरोपों को जांच में सिद्ध होना बाकी है। विभागीय जांच में यदि आरोप प्रमाणित होते हैं तो नियमानुसार आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। वहीं जांच में आरोप प्रमाणित नहीं होने की स्थिति में संबंधित कर्मचारी को नियमानुसार राहत भी मिल सकती है। हालांकि निलंबन किसी कर्मचारी की दोषसिद्धि नहीं है, बल्कि विभागीय जांच के दौरान की जाने वाली प्रशासनिक/अनुशासनात्मक कार्रवाई है।

रामपुरा में जनऔषधि मेडिकल शॉप का शुभारंभ, 355 प्रकार की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध

कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना जनऔषधि केंद्र का उद्देश्य : नरेन्द्र कृष्ण बिरला

कोटा। कोटा जिले के उपभोक्ता होलसेल भंडार की ओर से रामपुरा में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि मेडिकल शॉप का शुभारंभ किया गया। भंडार के उपाध्यक्ष नरेन्द्र कृष्ण बिरला ने विधिवत फीता काटकर मेडिकल शॉप का उद्घाटन किया। केंद्र पर शुरुआत में 355 प्रकार की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भंडार की महाप्रबंधक बीना बैरवा ने बताया कि रामपुरा क्षेत्र में शुरू किए गए इस जनऔषधि मेडिकल शॉप के माध्यम से आमजन को किफायती दरों पर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। केंद्र पर विभिन्न श्रेणियों की जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उद्घाटन अवसर पर उपाध्यक्ष नरेन्द्र कृष्ण बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री की जनऔषधि योजना के उद्देश्य को धरातल पर पहुंचाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आमजन को गुणवत्तापूर्ण दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हों, इसके लिए ऐसे केंद्रों का विस्तार आवश्यक है। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद ओम बिरला के प्रयासों का उद्देश्य कोटा की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ किफायती दरों पर दवाएं उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए मेडिकल कॉलेज एवं एमबीएस अस्पताल सहित विभिन्न स्तरों पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनऔषधि केंद्रों के माध्यम से आमजन को कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध होने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विशेष लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में भंडार के उपाध्यक्ष नरेन्द्र कृष्ण बिरला, संचालक अशोक कुमार मीणा, महीप सिंह सोलंकी, इन्द्रमल जैन, धीरेन्द्र पाल सिंह, पारस खींची, राजेन्द्र कुमार खंडेलवाल, उषा न्याती, खुशबु बिरला, विष्णु कंवर एवं दिशा गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

बुधवार से बदले दर्शन समय, 3 सितंबर तक गूंजेगा संकीर्तन; 4 सितंबर को 31 तोपों की गर्जना के बीच मनाया जाएगा गोविंददेवजी का जन्मोत्सव

गोविंददेवजी मंदिर में जन्माष्टमी की धूम, 4 सितंबर को 31 तोपों की गर्जना के बीच होगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

425 लीटर दूध से होगा ठाकुरजी का अभिषेक, गोविंददेवजी मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारियां

स्मार्ट हलचल

अ जयपुर- जयपुर के आराध्य देव श्री गोविंददेवजी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में विशेष दर्शन व्यवस्था रहेगी। बुधवार से दर्शन समय में बदलाव के साथ 3 सितंबर तक प्रतिदिन अलग-अलग मंडलियों की ओर से संकीर्तन किया जाएगा। 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य आयोजन होगा। जन्माष्टमी के दिन मंगला झांकी सुबह 4 से 6:30 बजे, धूप झांकी 7 से 9 बजे, श्रृंगार झांकी 9:30 से 11:15 बजे, राजभोग 11:45 से दोपहर 1:15 बजे, ग्वाल झांकी शाम 4 से 6:30 बजे, संध्या झांकी 6:45 से 8:30 बजे और शयन झांकी रात 9:15 से 10:30 बजे तक होगी। इसके बाद रात में विशेष जन्मोत्सव दर्शन होंगे। जन्मोत्सव से पहले ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक, विशेष श्रृंगार और पीले वस्त्र धारण करवाने की परंपरा के अनुसार तैयारियां की जाएंगी। रात 12 बजे श्रीकृष्ण के प्राकट्य उत्सव के अवसर पर 31 तोपों की हवाई गर्जना और आतिशबाजी के साथ जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसके बाद वेदपाठी पंडितों के वेदपाठ, शालिग्राम पूजन और पंचामृत अभिषेक के विशेष दर्शन होंगे। 31 तोपों की सलामी और पंचामृत अभिषेक गोविंददेवजी मंदिर के जन्माष्टमी आयोजन की प्रमुख परंपराओं में शामिल रहे हैं। अभिषेक के लिए 425 लीटर दूध, 365 किलो दही, 11 किलो घी, 85 किलो बूरा और 11 किलो शहद सेवा में अर्पित किया जाएगा। अभिषेक के बाद ठाकुर श्रीजी को पंजीरी, लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्हड़ का विशेष भोग लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मंदिर प्रशासन की ओर से अपील की गई है कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु जूते-चप्पल और हेलमेट बाहर ही खोलकर आएं। कीमती सामान, बैग, थैला, लेडिज पर्स और ज्वेलरी साथ नहीं लाने की अपील की गई है। इसके अलावा फल, मिठाई, नारियल, लैपटॉप और कैमरा मंदिर में नहीं लाने को कहा गया है। ऐसे सामान को निर्धारित स्थान पर बाहर ही जमा कराना होगा। जयपुर में 4 सितंबर को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पहुंचने की संभावना है, ऐसे में दर्शन व्यवस्था के साथ सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

भवानीमंडी से 65 श्रद्धालुओं का जत्था बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य ने किया श्रद्धालुओं का स्वागत अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी भवानी मंडी से अमरनाथ यात्रा के लिए जा रहे 63 श्रद्धालुओं का विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल एवं अन्य ने भवानी मंडी रेलवे स्टेशन पर स्वागत सत्कार किया विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वाधान में बुधवार को भवानीमंडी से बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए 65 महिला व पुरुष श्रद्धालुओं का जत्था उत्साह और भक्तिमय माहौल में रवाना हुआ। विभाग मंत्री बालूसिंह चौहान ने बताया कि धार्मिक एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस पवित्र यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। इस जत्थे में शामिल महिला एवं पुरुष श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में स्थित पवित्र श्री बाबा बूढ़ा अमरनाथ धाम के दर्शन-पूजन करेंगे।

जयकारों से गूंजा प्रस्थान स्थल

यात्रा के प्रस्थान के समय पूरा वातावरण 'जय श्री राम', 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

किया गया भावभीना स्वागत व अभिनंदन

रवानगी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने यात्रियों का तिलक लगाकर, माल्यार्पण एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने सभी तीर्थयात्रियों को पटका पहनाकर उनकी सुखद और मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। विभाग मंत्री बालूसिंह चौहान ने कहा कि बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा न केवल शिवभक्तों की अगाध श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि यह सीमावर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकात्मता और गौरव का संदेश देने वाली एक साहसिक व पावन यात्रा भी है। स्वागत करताओ मैं ईश्वरसिंह जिला संयोजक,विष्णु शर्मा जिला समरसता,वीर जैन नगर संयोजक,विजय चंदेल नगर सहयोजक,रामगोपाल मेहर नगर सेवा प्रमुख,मांगीलाल ढाबलाखीची आदि उपस्थित थे

15 अगस्त के दिन सरकारी स्कूल में वोट मांगने का वीडियो वायरल, कुरेड़ा की सरकारी स्कूल में 'वोट मांगने' का आरोप

स्मार्ट हलचल

पीपलू । स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कुरेड़ा की सरकारी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सामने आए एक कथित वीडियो ने पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर आरोप लगाया जा रहा है कि सरकारी स्कूल परिसर में 15 अगस्त के कार्यक्रम के दौरान वोट मांगने जैसी गतिविधि की गई। वीडियो सामने आने के बाद सरकारी स्कूल में राजनीतिक गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। 15 अगस्त देश की आजादी और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। इस दिन सरकारी विद्यालयों में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ऐसे में यदि वायरल वीडियो में दिखाई दे रही गतिविधि वास्तव में वोट मांगने से संबंधित है, तो यह मामला जांच का विषय बन गया है।

वायरल वीडियो के बाद उठे कई सवाल

वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों और स्थानीय लोगों के बीच कई सवाल चर्चा में हैं। लोगों का कहना है कि क्या सरकारी स्कूल परिसर का इस्तेमाल किसी तरह के राजनीतिक प्रचार के लिए किया जा सकता है? यदि स्कूल में वोट मांगने या किसी उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार जैसी गतिविधि हुई, तो इसकी अनुमति किसने दी? लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में मौजूद स्कूल प्रशासन, शिक्षक और अन्य जिम्मेदार लोगों की इस मामले में क्या भूमिका रही।

बच्चों के सामने राजनीतिक संदेश देने पर भी सवाल

सरकारी स्कूल में बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहते हैं। ऐसे में राजनीतिक गतिविधि या वोट मांगने का आरोप और भी गंभीर माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल का वातावरण शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए होना चाहिए, न कि राजनीतिक प्रचार के लिए। हालांकि वायरल वीडियो की वास्तविकता और उसमें दिखाई दे रही गतिविधि की पुष्टि संबंधित विभाग की जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है।

शिक्षा विभाग से जांच की मांग

मामले को लेकर अब लोगों की नजर शिक्षा विभाग और प्रशासन पर है। ग्रामीणों का कहना है कि वायरल वीडियो की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि 15 अगस्त के सरकारी कार्यक्रम के दौरान वास्तव में क्या हुआ था। यदि जांच में सरकारी स्कूल परिसर में राजनीतिक प्रचार या वोट मांगने की बात सही पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी उठ सकती है।

सबसे बड़ा सवाल– सरकारी स्कूल में आखिर वोट क्यों?

15 अगस्त के दिन जब बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दे रहे थे, उसी दौरान सरकारी स्कूल परिसर से कथित तौर पर वोट मांगने का वीडियो सामने आना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। अब सवाल सिर्फ वायरल वीडियो का नहीं, बल्कि सरकारी शिक्षण संस्थानों की निष्पक्षता और मर्यादा का भी है। आखिर सरकारी स्कूल परिसर में ऐसी गतिविधि कैसे हुई और इसकी जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंची या नहीं–इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे।

16 कार्टून अवैध देशी शराब बरामद, जीप जंगल में छोड़कर फरार हुआ आरोपी

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/रायपुर। रायपुर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 16 कार्टून अवैध देशी शराब बरामद कर परिवहन में प्रयुक्त जीप को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपी पुलिस को देखकर वाहन जंगल में छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया एवं वृत्ताधिकारी रायपुर बंशीलाल पांडर के निकट सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत 19 अगस्त को रायपुर थाना पुलिस को अवैध शराब परिवहन की सूचना मिली। पुलिस टीम ने कालब खुर्द के पहाड़ी क्षेत्र में वाहन संख्या RJ19 C 9114 का पीछा किया। पुलिस को पीछे आता देख चालक वाहन को जंगल में छोड़कर फरार हो गया। तलाशी लेने पर जीप में अवैध देशी शराब के कुल 16 कार्टून मिले। पुलिस ने शराब और वाहन को जब्त कर लिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की हैं। जंगल एवं आसपास के क्षेत्रों में आरोपी की तलाश जारी है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम

कार्रवाई में थानाधिकारी राजू राम सीरवी, उप निरीक्षक सरवर खां, हेड कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल राकेश, कांस्टेबल तोगाराम तथा कांस्टेबल रामलहरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कक्षा 10 में फेल हुए, फिर भी बने कंपनी के CEO; वी.के. जेटली ने विद्यार्थियों को बताए सफलता के चार 'डी'

डिग्री से आगे सफलता की राह दिखा गए वी.के. जेटली...

करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में 'दीक्षारंभ-2026' नवागंतुक अभिमुखीकरण कार्यक्रम, सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया सफलता का मंत्र

स्मार्ट हलचल

कोटा। करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के विश्वविद्यालयी जीवन की शुरुआत को यादगार बनाने के उद्देश्य से 'दीक्षारंभ-2026' नवागंतुक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करेजियस कम्युनिटी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक निदेशक तथा डीसीएम श्रीराम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी.के. जेटली ने मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जीवन में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। सफलता के लिए लक्ष्य, दिशा, समर्पण और अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

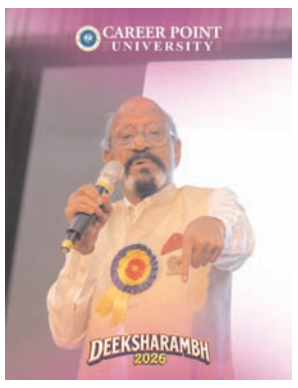

असफलता से घबराएं नहीं, खुद की 'वैल्यू' पर करें काम

वी.के. जेटली ने अपने करीब पांच दशक के पेशेवर जीवन के अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं, लेकिन असफलता से घबराकर रुक जाना सबसे बड़ी भूल है। उन्होंने अपने जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि कक्षा 10वीं में असफल होने के बावजूद उन्होंने निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास के बल पर डीसीएम कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तक का सफर तय किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के चार 'डी'–डिजायर (Desire), डायरेक्शन (Direction), डेडीकेशन (Dedication) और डिसिप्लिन (Discipline)–को जीवन में उतारने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन चारों के बिना बड़ी डिग्री हासिल करने के बावजूद व्यक्ति अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग नहीं कर पाएगा।

खरगोश-कछुए की कहानी का दिया नया संदर्भ

जेटली ने विद्यार्थियों को टीमवर्क का महत्व समझाते हुए खरगोश और कछुए की पारंपरिक कहानी को नए संदर्भ में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यदि दोनों अपनी-अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करते हुए एक-दूसरे की मदद करें तो मंजिल तक पहुंचना अधिक आसान हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सहयोग, विश्वास और टीम भावना को अपनाने का आह्वान किया। उनके अनुसार, आज के प्रतिस्पर्धी दौर में व्यक्तिगत प्रतिभा के साथ टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है।

'प्रवेश नई कहानी लिखने का अवसर'

विश्वविद्यालय के चांसलर प्रमोद माहेश्वरी ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश केवल डिग्री हासिल करने की शुरुआत नहीं, बल्कि जीवन की नई कहानी लिखने का अवसर है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्टता रखनी चाहिए। मंजिल स्पष्ट होगी तो उसे हासिल करने की दिशा में प्रयास भी प्रभावी होंगे। वाइस चांसलर प्रो. डॉ. मयंक सक्सेना ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, उत्सुकता, अनुशासन और आत्मसम्मान जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और दृष्टिकोण का विकास करना भी है।

कैंपस, स्मार्ट क्लासरूम और लैब्स से कराया परिचित

कार्यक्रम के दौरान नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के कैंपस, स्मार्ट क्लासरूम, प्रयोगशालाओं और स्टार्टअप सुविधाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक अवसरों से परिचित कराया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में उत्साह और उमंग का रंग भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ। इसके बाद सरस्वती वंदना और गणेश स्तुति प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का मंच संचालन भाविका गुप्ता ने किया।

कानपुर में अब तक नहीं मिला गंगा में डूबे दो किशोरों का सुराग ,परिवार में कोहराम

स्मार्ट हलचल

कानपुर। नहाने के दौरान गंगाकी 18 जुल राशि में समाये दो किशोरों का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है। घटना से उनके परिवार में कोहरा मचा हुआ है। यह घटना बीते सोमवार को महाराजपुर थाना क्षेत्र स्थित इयोढ़ी गंगा घाट पर हुई थी। जहां सोमवार को गंगा में नहाने गए दो किशोर कृष्णा (16) और शिवा (17) लापता हो गए। घटना के 36 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी समाचार लिखे जाने तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कल मंगलवार की तरह आज भी उनकी तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू अभियान जारी रहा। लेकिन सुराग तब भी नहीं मिल पाया। सुबह छह बजे पीएसी की टीमें मौके पर पहुंचीं और इयोढ़ी, जमदा,शेखपुर, सफीपुर, नजफगढ़, नागापुर, डोमनपुर सहित उन्नाव के चंडिका घाट तक करीब 50 किलोमीटर के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। दोपहर करीब दो बजे एनडीआरएफ की टीम भी कंपनी कमांडर अजय सिंह के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंच खोजबीन शुरू की। एनडीआरएफ कंपनी कमांडर अजय सिंह ने बताया कि 30 लोगों की टीम डीप डाइवर्स के साथ रेस्क्यू अभियान में जुटी हैं। साथ ही दो स्टीमर की मदद से घटनास्थल के आसपास करीब 50 फीट चौड़े और 300 फीट लंबे क्षेत्र में लगातार खोजबीन के बाद भी दोनों लड़कों का कोई सुहाग नहीं मिल पाया है। जिसके फल स्वरूप परिजनों में भी कोहराम मचा हुआ है।

श्मशान भूमि से अतिक्रमण की मांग को लेकर जाटव समाज का 19 वें दिन भी धरना जारी

आज से भूख हड़ताल पर बैठेंगे योगेश जाटव

स्मार्ट हलचल

जुरहरा, जिला डीग रेखचन्द्र भारद्वाज: कस्बे में स्थानीय जाटव समाज के तत्वावधान में समाज की श्मशान भूमि से अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर चल रहा धरना बुधवार को 19 वें दिन भी जारी रहा। वहीं स्थानीय जाटव समाज के योगेश कुमार ने बताया कि 19 दिन गुजर जाने के बाद भी प्रशासन के द्वारा उनकी कोई सुनवाई नहीं कि गई है। उन्होंने बताया कि वे गुरुवार से जब तक भूख हड़ताल पर रहेंगे जब तक कि प्रशासन के द्वारा जाटव समाज की श्मशान भूमि से अतिक्रमण नहीं हटा दिया जाता है। समाज के नेतराम चंदन ने बताया कि 19 दिन तक धरना चलने के बावजूद प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि गई है।

जयपुर में CNG पंप पर गाड़ियों की कतारें

दो घंटे तक लोग कर रहे इंतजार; कंपनी ने कहा- पाइपलाइन के बाद नहीं होगी परेशानी

स्मार्ट हलचल

जयपुर जयपुर में CNG पंपों पर वाहन ड्राइवरों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। शहर में CNG के कम स्टेशन होने के कारण सुबह से ही ऑटो, टैक्सी और निजी वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। हालात ऐसे रहते हैं कि ड्राइवरों को डेढ़ से दो घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। ऑटो ड्राइवरों को सवारी लेकर ही लाइन में खड़े रहना पड़ रहा है। इससे यात्रियों का समय भी खराब हो रहा है। ड्राइवरों ने कहा- सीएनजी के इंतजार में हमें काफी नुकसान हो रहा है। सहकार मार्ग पर इंडियन ऑयल पंप पर सुबह से वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। पेट्रोल पंप मैनेजर ने कहा- पंप पर सीएनजी के जितने ट्रक आते हैं, उसी हिसाब से सप्लाई हो पा रही है। पंप मैनेजर ने कहा- सीएनजी की दो गाड़ी एक सुबह और एक रात को आती है। ऐसे में दिन में पीक आवर्स में सीएनजी की मांग बढ़ जाती है। इससे पंप के बाहर लाइन लग जाती है। वहीं टोरेंट गैस कंपनी ने कहा- पंपों पर सुबह-रात को गैस की सप्लाई होती है। पाइपलाइन के बाद ऐसी परेशानी नहीं आएगी।

भारत विकास परिषद एवं नवजीवन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में रावेल सिंह जी छाबड़ा की 53वीं पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान एवं नि :शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन...

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी भवानीमंडी। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा, आदर्श शाखा एवं मीरा शाखा भवानीमंडी तथा नवजीवन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में स्व. श्री रावेल सिंह जी छाबड़ा (पूर्व पालिका उपाध्यक्ष) की 53वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान, निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन 19 अगस्त 2026, बुधवार को जैन बोर्डिंग, भवानीमंडी में किया गया। जिसमे 124 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में आमजन के लिए विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध रही। इनमें BMD जांच (बोन मास डेंसिटी), हीमोग्लोबिन जांच, शुगर (RBS), थायरॉइड (TSH), यूरिक एसिड, न्यूरोपैथी एवं ब्लड प्रेशर (BP) जैसी जांच शामिल हैं 7 जांच शिविर में 564 मरीजों की विभिन्न प्रकार की निशुल्क जांच हुई । साथ ही 250 से अधिक मरीजों की निःशुल्क परामर्श प्रदान कोटा गया । इस अवसर पर नवजीवन हॉस्पिटल के माध्यम से नवस्पर्श योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजना का शुभारंभ कर रियायती दरों पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अभिनव प्रयास प्रारंभ किया । अगस्त माह में मौसमी बीमारियों एवं डेंगू के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा जरूरतमंदों की सहायता करना इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य रहा। साथ ही, नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया है। शिविर के माध्यम से समाजसेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया जाएगा। शिविर के मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मानसिंह चौहान ठीकरिया पूर्व अध्यक्ष राजस्थान वेयरहाउस, विशिष्ट अतिथि रोहित अरोड़ा कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स, अध्यक्षता कमल सुरेका क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव, विशिष्ट अतिथि डॉ जगदीश अरोड़ा, ओमप्रकाश चतुर्वेदी प्रांतीय समन्वयक भारत विकास परिषद, श्री गुरुबचन सिंह जी, गुरुभेज सिंह छाबड़ा निर्देशक नवजीवन हॉस्पिटल रहे ।

भारत ने मिस्र में 'ग्लोबल साउथ', फिलिस्तीन में 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल

काहिरा/रामल्लाह। विदेश मंत्रालय में सचिव (कांसुलर, पासपोर्ट, वीजा एवं प्रवासी भारतीय मामले) श्रीप्रिया रंगनाथन 16 से 21 अगस्त तक मिस्र, फिलिस्तीन और लेबनान के छह दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने 'ग्लोबल साउथ' के विकास और फिलिस्तीन में 'टू-स्टेट सॉल्यूशन' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। अपनी यात्रा के पहले चरण में काहिरा पहुंचीं रंगनाथन ने डिप्लोमैटिक क्लब में भारतीय दूतावास और 'भारतीय वैश्विक मामलों की परिषद' (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित एक विशेष सम्मेलन को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। 'ब्रिक्स में भारत-मिस्र साझेदारी: ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज़' विषय पर केंद्रित इस सत्र में उन्होंने ब्रिक्स के विस्तारित ढांचे के भीतर दोनों देशों की कूटनीतिक प्राथमिकताओं को साझा किया। इसके साथ ही, उन्होंने 'लीग ऑफ अरब स्टेट्स' के सहायक महासचिव खालिद मंजलावी से मुलाकात कर अरब जगत और भारत की रणनीतिक कड़ियों को मजबूत करने पर बल दिया। मिस्त्र स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा रंगनाथन ने एशियाई मामलों के लिए विदेश राज्य मंत्री, अम्र हमज़ा से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत-मिस्र के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और राजनीतिक, आर्थिक तथा रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी अपने विचार साझा किए। दौरे के दूसरे चरण में फिलिस्तीन पहुंचीं रंगनाथन ने रामल्लाह में फिलिस्तीन की विदेश और प्रवासी मामलों की मंत्री वारसेन अगाबेकियन शाहीन से मुलाकात की। फिलिस्तीन में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने एक्स पर लिखा भारत ने बातचीत के ज़रिए 'दो-राष्ट्र समाधान' के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराया और लगातार मानवीय सहायता तथा निरंतर बातचीत और कूटनीति के माध्यम से गाजा में मानवीय स्थिति से निपटने के महत्व पर ज़ोर दिया। बयान के अनुसार रंगनाथन ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. माजेद अबू रमदान से मुलाकात की और फिलिस्तीनी स्वास्थ्य क्षेत्र को भारत का समर्थन और मज़बूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने फिलिस्तीनी स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भारत के बढ़ते समर्थन पर प्रकाश डाला, जिसमें ज़रूरी दवाएं और कैंसर-रोधी दवाएं, कृत्रिम अंग लगाने का कैंप और गाजा में भारतीय फील्ड अस्पताल की तैनाती शामिल है। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार की ओर से फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय को दवाओं की एक खेप भी सौंपी। उन्होंने यहां यूएनआरडब्ल्यूए स्वास्थ्य केंद्र का दौरा भी किया। यात्रा के अंतिम चरण में रंगनाथन 20-21 अगस्त को लेबनान के दौरे पर रहेंगी, जहां वह विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेंगी, जिस दौरान भूमध्यसागरीय क्षेत्र के सुरक्षा समीकरणों, द्विपक्षीय व्यापार संवर्धन, क्षमता निर्माण और लेबनान में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय के कल्याण व कूटनीतिक सुरक्षा से जुड़े कड़े मुद्दों पर व्यापक सहमति बनाने का प्रयास रहेगा।

लोकार्पण-शिलान्यास मुख्यमंत्री ने लगभग 3,500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

71 पीएम ई-बसों का शुभारंभ, जयपुर-भीलवाड़ा की 24 ई-बस, अलवर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर की 47 ई-बस शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र के साथ काम कर रही डबल इंजन सरकार- मुख्यमंत्री

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र के साथ ही डबल इंजन सरकार ग्रीन और क्लीन एनर्जी की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ा रही है। इसी क्रम में जयपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में लगभग 3 हजार 500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करने के साथ 71 पीएम ई-बसों को रवाना किया गया है। ये विकास कार्य एवं परियोजनाएं विकसित राजस्थान-2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगी। मुख्यमंत्री एचसीएम रीपा में प्रदेशवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और प्रदूषण मुक्त भविष्य की मजबूत नींव बन चुकी है। चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार, ऑटो इंडस्ट्री के लिए पीएलआई स्कीम और पीएम ई-ड्राइव जैसी पहल से ईवी इकोसिस्टम सुदृढ़ हो रहा हैं। यही कारण है कि वर्ष 2016 के बाद से देश में ईवी की बिक्री लगभग 46 गुना बढ़ी है।

मुख्यमंत्री की प्रदेशवासियों को सौगातें: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न शहरों के लिए लगभग 3 हजार 500 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

उन्होंने कुल 71 पीएम ई-बसों का शुभारंभ भी किया, जिनमें जयपुर एवं भीलवाड़ा की 24 ई-बसों का जयपुर से तथा अलवर, अजमेर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर की 47 ई-बसों का वर्चुअल शुभारंभ शामिल है। कार्यक्रम में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख 32 हजार 421 श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को 154 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। श्रमिकों को डिजिटल गैस डिटेक्टर एवं फायर रेस्क्यू किट वितरित किए गए।

स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के विकास के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

कन्वर्जेंस बैठक आयोजित

राजीविका की बहुआयामी गतिविधियों में प्रभावी कन्वर्जेंस से महिलाओं को मिलेगा व्यापक लाभ

ग्रामीण विकास शासन सचिव की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं को राजीविका से जोड़ने पर मंथन

जयपुर(नि.सं.)। ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में सचिवालय में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद से संबंधित सभी विभागों की कन्वर्जेंस बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजीविका की विभिन्न गतिविधियों एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं के बीच प्रभावी समन्वय के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय एवं आजीविका के अवसर बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्य के 25 लाख लखपति दीदी के लक्ष्य की दिशा में सम्बन्धित विभागों के साथ प्रभावी कन्वर्जेंस के माध्यम से 6,78,461 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में विकसित करने के रोडमैप पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। श्री कुणाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं का लाभ राजीविका से जुड़ी महिलाओं और उनके स्वयं सहायता समूहों तक प्रभावी एवं समयबद्ध रूप से पहुंचाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य किया जाए। बैठक में कृषि विभाग से संबंधित कन्वर्जन्स के अंतर्गत नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग में 2,666 कृषि सखियों की सहभागिता, नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत 50 ड्रोन दीदियों के प्रशिक्षण, राजस्थान स्टेट सीड कॉरपोरेशन के साथ 10 एफपीओ के माध्यम से प्रमाणित बीज उत्पादन तथा मसाला एवं मिलेट आधारित उद्यमों के प्रशिक्षण पर विस्तार से चर्चा की गई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से क्यों गरमाई सियासत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की। पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक धार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे गुट ने सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। पार्टी प्रवक्ता विनोद चालिसे ने कहा कि सम्मेलन में हुए काम और नेताओं के बयानों पर पार्टी की नजर है। इससे साफ है कि सनातन धर्म और राष्ट्रीय पहचान का मुद्दा केवल नेपाल की व्यापक राजनीति में ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस के भीतर भी मतभेद का कारण बन सकता है।

लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप, किया सम्मानित; मामला क्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था। खतरा समझते ही वह उसकी तरफ दौड़ा। उसने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में लाइफगार्ड अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा करते हैं। उसका पूरा ध्यान बच्चे को जितनी जल्दी हो सके पानी से बाहर निकालने पर था। बचाव की यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बचाव का वीडियो सामने आने के बाद ट्रंप की भी इस घटना पर नजर पड़ी। उन्होंने लाइफगार्ड विलियम्स और उसके परिवार को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया।

खूंखार आतंकी संगठन अल-शबाब का हमला नाकाम, सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 आतंकी ढेर

जाम्बिया, एजेंसी। अफ्रीकी देश जाम्बिया में राष्ट्रपति हकाइंदे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। जाम्बिया के निर्वाचन आयोग ने 18 अगस्त, 2026 को इसकी घोषणा की। उन्हें 14 अगस्त को हुए राष्ट्रपति चुनाव का सीधा विजेता घोषित किया गया। हिचिलेमा ने 51 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। आयोग के अनुसार, हिचिलेमा को 2,965,326 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 वोट प्राप्त हुए। आयोग की अध्यक्ष म्वांगाला ज़ालूमिस ने हिचिलेमा को राष्ट्रपति-निर्वाचित घोषित किया। मतगणना 15 अगस्त को मतदान अधिकारियों पर हमले और मतपत्रों की चोरी के कारण निलंबित हुई, फिर कड़ी सुरक्षा में शुरू की गई।

बिग बेंड नेशनल पार्क में सीमा नहीं बनेगी, ट्रंप प्रशासन ने विवादित परियोजना रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने बिग बेंड नेशनल पार्क में एक विवादास्पद सीमा परियोजना का निर्माण अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह निर्णय एजेंसी प्रमुख के टेक्सास दौरे के बाद जमीनी मूल्यांकन के लिए लिया गया है। यह परियोजना दक्षिणी टेक्सास में राष्ट्रीय पार्क से होकर गुजरनी थी। इस परियोजना को आलोचकों के कड़े द्विदलीय विरोध का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि यह क्षेत्र एक प्राचीन पर्यावरणीय इलाका है। उनके अनुसार, यह परियोजना इस क्षेत्र को खराब कर रही है। उनका तर्क है कि क्षेत्र का कठिन और दूरस्थ इलाका पहले से ही प्रवासियों और तस्करों को रोकता है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है।

जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फाइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर

कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है : रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा। ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है। अब वाशिंगटन के थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल से जुड़े क्रोनिग ने कहा कि सैन्य अभ्यासों का आकार कम करने से संभवतः इस भरोसे को नुकसान पहुंचता है।

ट्रंप को खुश करने की कोशिश कर रहा दक्षिण कोरिया : ट्रंप ने यह फैसला तब लिया, जब दक्षिण कोरिया उन्हें खुश करने और उनका समर्थन पाने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण कोरिया व्यापार और रक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अमेरिका का साथ चाहता था। पिछले साल नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग जब ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने सबसे पहले वहां की शानदार सजावट की तारीफ की। ओवल ऑफिस को सुनहरे रंग की सजावट से सजाया गया था। ली ने ट्रंप की इस बात का भी समर्थन किया कि अगर वह 2020 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाते, तो किम जोंग उन परमाणु हथियार बनाने की अपनी योजना को आगे नहीं बढ़ाते। ली ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उत्तर कोरिया में ट्रंप टावर बनाया जा सकता है।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था।

यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बताते हैं कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की।

ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था : वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया : राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया।

मुकदमा किसने दायर किया था न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था।

मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा : मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है।

एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय कहां है : एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं। दोनों राज्यों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, पास के वर्जीनिया के बजाय मैरीलैंड वाली जगह को चुना गया था।

भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के दावे पर घिरे पीएम बालेन; 26 अगस्त को संसद में विपक्ष करेगा सवालों की बौछार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अगले सप्ताह प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का सामना करेंगे। सदन के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे सवाल-जवाब का सत्र 26 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि प्रतिनिधि सभा नियमावली 2026 के अध्याय-9 के तहत प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर सत्र निर्धारित किया गया है। इस दौरान सदन में मौजूद प्रत्येक राजनीतिक दल से कम से कम एक सांसद प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकेगा। अध्यक्ष ने सांसदों से अपने सवाल संक्षिप्त रखने की अपील भी की। प्रधानमंत्री शाह के संसद में आने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब विपक्ष लंबे समय से उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। दरअसल, 31 मई को संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान शाह ने कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी मिली है कि नेपाल ने भारत के क्षेत्र में भी 'अतिक्रमण' किया है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस बयान को स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नेपाल की ओर से भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की बात कही गई है तो प्रधानमंत्री को उसके समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए या फिर अपना बयान वापस लेना चाहिए। विपक्ष की लगातार मांगों के बाद प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने प्रधानमंत्री को सदन में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए कहा। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, अध्यक्ष ने उन मुद्दों पर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है जो उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े हैं। आर्यल ने कहा कि सांसद लंबे समय से प्रधानमंत्री से महत्वपूर्ण विषयों और उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े मामलों पर सवालों का जवाब देने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने उसकी अलग व्याख्या पेश की थी। मंत्रालय ने कहा था कि शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड में अतिक्रमण' और 'सीमा पार कब्जे' से जुड़ी थी, न कि किसी क्षेत्र पर औपचारिक दावा करने के संदर्भ में। इसके बावजूद विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री से सदन में सीधे स्पष्टीकरण की मांग करते रहे।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

मेयर ने क्या बताया : ओलासो ने रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को

गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया : हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

पुलिस ने क्या कहा : गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा।

पुलिस ने जनता से क्या अपील की : नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। नार्टाटेज ने कहा, नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता-पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इससे पहले जून में मध्य टैकलोबन शहर में हुई गोलीबारी में तीन हाई स्कूल छात्र मारे गए थे और कम से कम 20 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने उस गोलीबारी को अंजाम देने के आरोप में 14 और 15 साल के दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। फिलीपींस में बंदूक के इस्तेमाल से जुड़े अपराध आम हैं, जिसका एक कारण बिना लाइसेंस वाली बंदूकों का बड़ी संख्या में होना है, लेकिन स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं।

बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने क्यों दी कानून में ढील

इयान फिश, एजेंसी। अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल-उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल

कल्याण विभाग में उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी : अमेरिका में फ्री-रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल-उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है। बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं। बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना-कूदना चाहिए।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया : ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है।

सेव अमेरिका एक्ट में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं : ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून

डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

क्या अमेरिका में इस कानून को लेकर सहमति है : सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ट्रंप का तर्क है कि मतदाता की पहचान और नागरिकता की पुष्टि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में भी ऐसे नियम लागू करने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। हालांकि, कानून को लेकर राजनीतिक मतभेद अभी कायम हैं। भारत का उदाहरण देकर ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव व्यवस्था में पहचान पत्र और नागरिकता के सवाल को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

इमरान खान की आंखों में कितना सुधार हुआ? जेल प्रशासन ने सेहत पर सुप्रीम कोर्ट में दी पूरी जानकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों को लेकर जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को अहम जानकारी दी है। रावलपिंडी की अदियाला जेल की ओर से अदालत में दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी नजर अब 'लगभग सामान्य' हो गई है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट में इमरान की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में इलाज कराने की मांग की है। 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनकी आंख की बीमारी जनवरी के अंत में सामने आई थी। उन्हें दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन यानी सीआरवीओ की समस्या बताई गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस कई बार ले जाया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर मुहम्मद आरिफ खान और रावलपिंडी के अलशिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के विट्रियॉ-रेटिनल विशेषज्ञ डॉक्टर नदीम कुरैशी ने उनका इलाज किया।

जेल प्रशासन ने इमरान की सेहत को लेकर क्या दावा किया : जेल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, इलाज के बाद इमरान खान की आंख में काफी सुधार देखा गया और उनकी नजर लगभग सामान्य हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी सेहत की नियमित निगरानी की जा रही है। जेल के चिकित्सा अधिकारी दिन में तीन बार उनकी जांच करते हैं। इस दौरान उनके भोजन की निगरानी के साथ रक्तचाप, हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर जैसे जरूरी स्वास्थ्य मानकों की भी जांच की जाती है। प्रशासन ने कहा कि जेल में रहने के दौरान उनका मेडिकल रिकॉर्ड भी लगातार रखा गया है।

क्या इमरान खान को जेल में पर्याप्त इलाज मिल रहा : जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पर्याप्त स्वास्थ्य

सुविधाएं दी जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने भी दोनों की स्वास्थ्य जांच की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से इमरान की इलाज संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इमरान को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी आंख की हालत में सुधार इसका प्रमाण है।

इमरान खान की पार्टी इस रिपोर्ट पर क्या कह रही : जेल प्रशासन के दावे के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई की ओर से इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट में इमरान का रक्तचाप अधिक पाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान के निजी डॉक्टरों ने पहले उनका रक्तचाप सामान्य पाया था। अफरीदी के अनुसार, इमरान के परिवार, कानूनी टीम और निजी डॉक्टरों को 2 दिसंबर 2025 से उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में कब होगी इमरान की याचिका पर सुनवाई : इमरान खान की इलाज संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई होनी है। तीन सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई करेगी। पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति शाहिद वाहिद करेंगे। इसमें न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम भी शामिल हैं। जेल प्रशासन ने अदालत से इमरान की याचिका को खारिज करने की मांग की है। वहीं पीटीआई का कहना है कि इमरान को किसी विशेष रियायत की मांग नहीं है, बल्कि उन्हें कानून के अनुसार उचित इलाज और न्याय मिलना चाहिए।

फेंटेनाइल पर विवादास्पद रणनीति की समीक्षा, न्यू मेक्सिको ने मुकदमे की धमकी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग के आंतरिक निगरानीकर्ता ने छश्र की विवादास्पद रणनीति की समीक्षा की घोषणा की है। इस रणनीति में बड़े मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मामले बनाने के लिए फेंटेनाइल को सड़कों पर जाने दिया गया। वर्तमान और पूर्व एजेंटों ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जुआ बताया है। व्हाइट हाउस ने फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया है। यह समीक्षा एसोसिएटेड प्रेस की उस जांच के बाद आई है, जिसमें छश्र एजेंटों ने न्यू मैक्सिको में फेंटेनाइल खेपों की निगरानी की पर उन्हें जब्त नहीं किया। व्हिसलब्लोअर डेविड हॉवेल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने न्यू मैक्सिको में फसमुदाय को जहर दियाफ। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने न्याय विभाग पर मुकदमा करने की धमकी दी है। दो अन्य व्हिसलब्लोअर भी सामने आए हैं।

शाहीन शाह अफरीदी ने वनडे में पहली बार झटके 7 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टेस्ट टीम तो इंग्लैंड के दौरे पर है. मगर उस टीम से बाहर चल रहे शाहीन शाह अफरीदी के पुराने तेवर लगता है व्हाइट बॉल क्रिकेट में लौट चुके हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में जब मैटर सबसे बड़ा दिखा, तो शाहीन वहां शहंशाह की तरह अपनी टीम के लिए खड़े दिखे. उन्होंने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में ना सिर्फ हैट्रिक ली है, बल्कि गेंद से ऐसी आग बरसाई कि वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. नतीजा, ये हुआ कि उनकी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन बन गई.

शाहीन अफरीदी ने टीम को फ्रंट से किया लीड

नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड और पाकिस्तान ग्रीन की टीमें आमने-सामने थी. इस मुकाबले में शाहीन अफरीदी पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान थे.उनकी टीम ने पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 340 रन बनाए. मतलब बल्लेबाजों ने अपना काम कर दिया था. अब बारी गेंदबाजों की थी. स्ट्राइक गेंदबाज होने के नाते कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने इस काम में अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को फ्रंट से लीड किया.

टीम को बनाया चैंपियन

शाहीन ने गेंद से उगली आग!

पाकिस्तान ग्रीन के सामने पहले से ही 341 रन जैसा बड़ा लक्ष्य था. मगर उसे और भी विकराल बना दिया शाहीन शाह अफरीदी की आग उगलती और विरोधी बल्लेबाजों से सवाल पूछती शाहीन की गेंदों ने. पाकिस्तान ग्रीन के बल्लेबाजों के पास शाहीन की गेंदों का कोई जवाब नहीं था. ऐसे में वो बस एक-एक दम उनके आगे दम तोड़ते दिखे.

शाहीन अफ्रीदी की हैट्रिक

शाहीन अफरीदी की हैट्रिक में पाकिस्तान ग्रीन के जो बल्लेबाज फंसे, उनमें मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनेन का विकेट शामिल रहा. शाहीन के इस हैट्रिक के साथ ही पाकिस्तान ग्रीन की पारी का भी अंत हो गया.

टीम को चैंपियन बनाकर हीरो बने शाहीन अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में अपने वनडे यानी लिस्ट ए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8.3 ओवर में 36 रन देकर कुल 7 विकेट लिए और अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को चैंपियन बनाया. 341 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ग्रीन पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी और 37.3 ओवर में सिर्फ 239 रन पर ऑल आउट हो गई. इस तरह पाकिस्तान गोल्ड ने फाइनल मुकाबला 101 रन के बड़े अंतर से जीत लिया, जिसके हीरो खुद उसके कप्तान शाहीन शाह अफरीदी बने.

पहले 6 ओवर में 3 विकेट, फिर अगली 15 गेंदों में 4 विकेट

शाहीन अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में डाले अपने पहले 6 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए. लेकिन, इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान ग्रीन का और बुरा हाल किया. वो और भी ज्यादा मानो खतरनाक हो गए. उन्होंने अगली 15 गेंदों पर 7 रन देकर 4 और विकेट लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रही.

संक्षिप्त समाचार

जब गोल्ड जीतने पर राष्ट्रगान बजा, वह पल शानदार था

एरोबिक जिम्नास्टिक्स में इतिहास रचने के बाद अरिहा ने साझा किए अनुभव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय एयरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कुछ हफ्तों पहले एशियन एयरोबिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जिसके साथ वह एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। फिलीपींस में हुए फाइनल में उन्होंने 19.100 अंक हासिल किए, जिसमें आर्टिस्ट्री (कलात्मकता) में 8.650, एग्जीक्यूशन (प्रदर्शन) में 7.600 और डिफिकल्टी (कठिनाई) में 2.850 अंक शामिल थे। इस उपलब्धि के बाद अरिहा ने कहा, जब मुझे यह गोल्ड मेडल मिला, तो वह पल बहुत शानदार था। मैं इसे शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। जब मैंने पोडियम पर अपने देश का राष्ट्रगान बजते हुए सुना, तो उस पल मुझे गर्व भी महसूस हुआ क्योंकि मैं कुछ हासिल कर पाई थी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए। वह बहुत शानदार अनुभव था और मैं उस समय बहुत खुश थी।

22 वर्षीय जिम्नास्ट ने कहा, हम डबल फ्लेक्स फ्लोर, यानी लकड़ी का फ्लोर इस्तेमाल करते हैं। भारत में उत्तराखंड में एक फ्लोर है जो हमें नेशनल गेम्स के दौरान मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से, न सिर्फ मैं, बल्कि पूरे भारत के ज्यादातर जिम्नास्ट उस पर ट्रेनिंग भी नहीं कर पाए। हम आमतौर पर रबड़ इंटरलॉकिंग मैट पर ट्रेनिंग करते हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन में तालमेल बिठाना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। प्रतियोगिता से पहले हमें खुद को ढालने के लिए एक दिन की पोडियम ट्रेनिंग दी जाती है, इसलिए हममें से ज्यादातर जिम्नास्ट को मुश्किल होती है, क्योंकि हमें उस फ्लोर पर कभी ठीक से ट्रेनिंग करने का मौका नहीं मिला। यही वह मुश्किल थी जिसका हमने सामना किया।

World Championship

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस भारतीय जोड़ी ने अब तक टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरू नहीं किया है। सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

मानव सुथार-पडिकल बने जीत के हीरो

इंडिया-श्रीलंका टेस्ट

सीरीज में 1-0 की बढ़त

भारत 600वें टेस्ट में जीता

गॉल में टीम इंडिया की महाजीत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर मैच अपने नाम कर लिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने केशरा नुवान्था को बोल्ड कर श्रीलंका की पारी खत्म की और मैच में 10 विकेट पूरे किए।

श्रीलंका 165 रन से हारा
मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए
देवदत्त पडिक्कल का शतक

सुथार ने एक ओवर में 3 विकेट लिए

मानव सुथार ने श्रीलंका की दूसरी पारी के 75वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया। इसके बाद सुथार ने प्रभात जयसूर्या को पहली ही गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में सुथार का लगातार दूसरे मैच में दूसरा 5 विकेट हॉल है।

Football

क्या 2026 विश्व कप की सनसनी केप वर्डे से भिड़ेगी भारतीय टीम?

सितंबर-अक्तूबर में दौरा प्रस्तावित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सितंबर-अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है, दोनों टीमों के बीच दोस्ताना मुकाबले की बातचीत जारी है। केप वर्डे ने 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार नॉकआउट दौर में जगह बनाई थी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आने वाले महीनों में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सितंबर के अंत से अक्तूबर की शुरुआत के बीच हाल में 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है। प्रस्तावित मुकाबला 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, मैच की तारीख और आयोजन स्थल को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। 'बातचीत जारी है, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, इस बात की काफी संभावना है कि भारत 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी करेगा।'

सूत्र ने कहा, 'मैच का आयोजन स्थल और तारीख आधिकारिक तौर पर फैसला होने के बाद तय किए जाएंगे। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं और विचार-विमर्श जारी हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'

'विराट बस एक फोन कॉल दूर हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने विराट कोहली के साथ बिताए समय और उनसे मिली सीख को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कॉक्स ने बताया कि कोहली उनके लिए सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक मेंटर की तरह रहे हैं. जब भी उन्हें किसी सलाह या मदद की जरूरत होती है, विराट हमेशा फोन के दूसरी तरफ मौजूद रहते हैं. जॉर्डन कॉक्स आईपीएल में आरसीबी टीम का हिस्सा हैं. कॉक्स ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के साथ करीब चार महीने भारत में बिताए.

इस दौरान वह कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और उनके अनुभव से सीखने में सक्षम रहे. हालांकि कॉक्स ने दोनों के बीच हुई हर बातचीत का खुलासा नहीं किया, लेकिन डेब्यू से पहले कोहली की दी गई सलाह को उन्होंने बेहद खास बताया।

दिल्ली प्रीमियर लीग:

सार्थक नंबर 1

यस ढुल को छोड़ा पीछे, दिल्ली प्रीमियर लीग में छठा पचासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में सांसद पप्पू यादव के क्रिकेटर बेटे सार्थक रंजन का तूफान जारी है। इस लीग के अपने 7वें मैच में सार्थक ने छठी बार अर्धशतक ठोका है। वहीं वह यश ढुल को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में केकेआर के स्क्वाड का हिस्सा रहे सार्थक रंजन को एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी।

अब इस फॉर्म से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सार्थक ने पुरानी दिल्ली के खिलाफ 32वें मैच में 51 गेंद पर 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के बावजूद उनकी टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत नहीं मिल पाई। इस मैच में 20 रन से जीत के साथ पुरानी दिल्ली 6 ने अंकतालिका में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। सार्थक रंजन ने 100, 64, 95, 65, 57, 59, 10, 78 की पारियां अब तक खेली हैं। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहले से ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 30 रन से मात दी। इस मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली के दोनों इन फॉर्म ओपनर्स सिद्धार्थ जून और यश ढुल खाता भी नहीं खोल सके।

सिनसिनाटी ओपन:

सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी । आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है। सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com